▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 353 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 21-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 आमजन की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : शर्मा

6 बदलनी होगी पहाड़ों की तीर्थयात्रा की संस्कृति

7 एम बाप्पे को लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट'

फर्स्ट टेक

जून 2026 तक यूपीआई से जुड़े 55.49 करोड़ उपयोगकर्ता

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को संसद को बताया कि जून 2026 तक 'यूपीआई' से करीब 55.49 करोड़ उपयोगकर्ता जुड़ चुके हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा संचालित भुगतान प्रणाली है, जिसे भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत अधिकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई के जरिए कुल 314 लाख करोड़ रुपये मूल्य के कुल 24,162 करोड़ लेनदेन हुए।

एंडी बर्नहम ने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला

लंदन/भाषा। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के नवनिर्वाचित नेता एंडी बर्नहम ने सोमवार को ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया। बर्नहम ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर अपने पहले संबोधन में कहा कि वह राजनीति को समस्याओं के समाधान पर अधिक केंद्रित बनाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनकी नियुक्ति देश के लिए एक निर्णायक बदलाव का क्षण साबित हो। लेबर पार्टी के 56 वर्षीय नेता बर्नहम ने प्रधानमंत्री पद की परंपरा से अलग हटते हुए अपने नये मुख्यालय से देश को संबोधित किया। उन्होंने अपने पूर्ववर्तियों की तरह आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक मंच का इस्तेमाल नहीं किया। बर्नहम ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने पहले संबोधन में कहा, हम इस क्षण को ब्रिटेन के लिए एक निर्णायक बदलाव का अवसर बनाएंगे और पिछले 40 वर्षों में सबसे बड़े बदलावों को आगे बढ़ाएंगे।

आयकर विभाग में 26,997 अधिकारियों व सहायक कर्मियों की कमी

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को लोकसभा को बताया कि एक जनवरी 2026 तक आयकर विभाग में 26,997 अधिकारियों और 'सपोर्ट स्टाफ' की कमी थी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सदन को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया, ''एक जनवरी 2026 तक आयकर विभाग में ग्रुप ए, बी और सी में 26,997 पद रिक्त थे। रिक्तियां होना और उन्हें भरना सतत जारी रहने वाली प्रक्रिया है।'' उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे रिक्तियां होती हैं, उन्हें तय भर्ती प्रक्रिया के अनुसार नियमित रूप से भरा जाता है, जैसे कि संघ लोक सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग के जरिए सीधी भर्ती या पदोन्नति के जरिए। चौधरी ने बताया कि 2024 से अब तक 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018' के प्रावधानों के तहत 11 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया।

21-07-2026 सूर्यास्त 6:39 बजे | 22-07-2026 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
77,708.52	24,238.50
(-442.90)	(-95.80)

सोना	चांदी
14,775 रु.	229,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आखिर क्यों..?

बच्चे आखिर किसके हैं,
तुम जिनको लाठी मार रहे।
कौन दूध के धुले हुए हैं,
जिनको मिल कर तार रहे।
क्यों किस कारण पढ़े लिखों को,
अनपढ़ कह दुत्कार रहे।
संसद में अफरातफरी से,
लगता है तुम हार रहे।।

संसद में हर आवाज को सुने जाने का अवसर मिलना चाहिए : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र को उत्पादक एवं सार्थक बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि सदन में चर्चा तर्क और तथ्यों के आधार पर होगी तो हंगामे या ऊंची आवाज में बोलने की कोई जरूरत नहीं होगी। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले संसद भवन परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि मौसमी मानसून का सकारात्मक प्रभाव दिखना शुरू हो गया है और संसद का मानसून सत्र भी शुरू हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जब दोनों उत्पादक होते हैं तो वे देश और सभी जीवों के कल्याण में योगदान देते हैं। इसी उम्मीद के साथ हम प्रार्थना करते हैं कि मानसून सक्रिय रहे और संसद का मानसून सत्र भी उतना ही उत्पादक हो।'' मॉनसून सत्र में विपक्ष नीट प्रश्नपत्र लीक, अयोध्या में राम मंदिर के चंदे में कथित चोरी और ई-20 पेट्रोल जैसे मुद्दों को उठाने की तैयारी में है, ऐसे में सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना है।

> मेरा मानना है कि जहां तथ्य होते हैं, वहां हंगामे की जरूरत नहीं होती। यदि आपके तर्क और तथ्य मजबूत हैं तो आवाज ऊंची करने की जरूरत नहीं है। मजबूत तर्क और तथ्य शांत लेकिन प्रभावी तरीके से आवाज को अपनी बात रखने में सक्षम बनाते हैं।

मोदी ने कहा कि सत्र शुरू होने के साथ ही देश ने गति पकड़ ली है और संसद की भावना इस गति में नई ऊर्जा भर सकती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सकारात्मक सोच जरूरी है। उन्होंने सदन में सार्थक चर्चा और देश को आगे ले जाने के लिए सामूहिक संकल्प लेने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारी संसद में हर दल के कई अनुभवी सांसद हैं, जिनका ज्ञान और अनुभव संसद तथा देश के लिए जरूरी है। इसलिए संसद चलनी चाहिए, सार्थक चर्चा होनी चाहिए और देश को आगे ले जाने के लिए सामूहिक संकल्प लिए जाने चाहिए। यह समय की मांग और युवाओं की आकांक्षा है।'' उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना से भरी आवाजों को संसद में उचित मंच मिले, ताकि युवाओं की आवाज उठाई जा सके और देश को दिशा दी जा सके। मोदी ने कहा, मेरा मानना है कि जहां तथ्य होते हैं, वहां हंगामे की जरूरत नहीं होती। यदि आपके तर्क और तथ्य मजबूत हैं तो आवाज ऊंची करने की जरूरत नहीं है। मजबूत तर्क और तथ्य शांत लेकिन प्रभावी तरीके से आवाज को अपनी बात रखने में सक्षम बनाते हैं। हर आवाज को सुने जाने का अवसर मिलना चाहिए। यही संसद की भूमिका है। मैं सभी सांसदों से आग्रह करता हूं कि वे सदन की कार्यवाही में पूरे मनोयोग से भाग लें।''

राष्ट्रपति मुर्मू ने मोल्दोवा के कारोबारियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिशनाउ (मोल्दोवा)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को मोल्दोवा के कारोबारियों को भारत में व्यापार और निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि देश निवेश के लिए अनुकूल माहौल और व्यापक कारोबारी संभावनाएं उपलब्ध कराता है। यहां भारत-मोल्दोवा व्यापार मंच को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई), साइबर सुरक्षा, वित्तीय प्रौद्योगिकी, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, आधारभूत ढांचा, नवीकरणीय ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण, लॉजिस्टिक, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, औषधि, जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां सौर ऊर्जा, बैटरी भंडारण, स्मार्ट ग्रिड, हरित हाइड्रोजन और अन्य स्वच्छ प्रौद्योगिकियों सहित नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में मोल्दोवा की विकास परियोजनाओं में भागीदारी की इच्छुक हैं। राष्ट्रपति ने कहा, भारत भी मोल्दोवा की कंपनियों के लिए व्यापार और निवेश के अच्छे अवसर प्रदान करता है। हम पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल कारोबारी माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं मोल्दोवा के कारोबारियों को भारत आकर अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करती हूं। मुर्मू मोल्दोवा की यात्रा करने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं। उनके साथ भारत का एक कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी गया है। उन्होंने कहा, उनकी उपस्थिति मोल्दोवा की आर्थिक क्षमता के प्रति भारतीय उद्योग के बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक साझेदारी बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संसद किसी की जागीर नहीं, नीट मामले पर चर्चा कराए सरकार : विपक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी नेताओं ने राजधानी में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किए जाने को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार को अहंकार छोड़कर उनसे बात करनी चाहिए तथा संसद में भी नीट पेपर लीक के मामले पर चर्चा करनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि संसद देश के बच्चों की है और किसी की जागीर नहीं है।

संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, ''ये देश के बच्चे हैं, देश के भविष्य हैं। यह संसद उनकी है, किसी की जागीर नहीं है।

'' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बड़े मुद्दों पर चर्चा से भाग रही है और छात्रों पर आंसू गैस के गोले दागे जा रहे हैं तथा उनकी पिटाई की जा रही है। प्रियंका गांधी ने कहा, कई समस्याएं, बड़े-बड़े मुद्दे हैं, उन पर चर्चा के लिए (सरकार) राजी नहीं है। बच्चों पर आंसू गैस के गोले दाग रहे हैं और उनकी पिटाई कर रहे हैं। किस लिए? ये बच्चे हैं हमारे। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लंबे समय से शिक्षा से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सरकार पर लोगों की चिंताओं के प्रति पूरी तरह ''असंवेदनशील'' होने का आरोप लगाया और कहा कि देशभर में अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष की न्यूनतम मांगों में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तथा नीट और सीबीएसई की परीक्षा प्रणालियों पर चर्चा शामिल है।

संसद में व्यवधान से देश और लोगों से जुड़े मामलों पर चर्चा में देरी होती है : राधाकृष्णन

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को सदस्यों से उच्च सदन की गरिमा, अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने का आह्वान करते हुए आग्रह किया कि वे कामकाज के समय से निपटारे पर ध्यान केंद्रित करें, क्योंकि हर व्यवधान से देश और लोगों से जुड़े मामलों पर चर्चा में देरी होती है। सभापति ने कहा, ''मैं सदन के सभी पक्षों के सदस्यों से अपील करता हूं कि वे इस प्रतिष्ठित संस्था की गरिमा, अनुशासन और मर्यादा को बनाए रखें। हालांकि संसदीय लोकतंत्र में विचारों का मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन उन्हें इस तरह से व्यक्त किया जाना चाहिए कि सदन की पवित्रता बनी रहे। व्यवधानों को इसके कामकाज को बाधित नहीं करने देना चाहिए।'' उन्होंने सत्र के उत्पादक, रचनात्मक और उद्देश्यपूर्ण रहने की कामना की और कहा, मैं राज्यसभा के 271वें सत्र की शुरुआत पर आप सभी का भी हार्दिक स्वागत करता हूं।

अतिरिक्त समय में टोरेस के गोल से स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर विश्व कप जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईस्ट रदरफोर्ड/एपी। स्थानापन्न खिलाड़ी फेरान टोरेस के 106वें मिनट में किये गए गोल की मदद से स्पेन ने मौजूदा चैम्पियन अर्जेंटीना को 1.0 से हराकर फीफा विश्व कप अपने नाम कर लिया। गेंद पर नियंत्रण और हमलों के मामले में स्पेन ने पूरे मैच में दबदबा बनाये रखा। लियोनेल मेस्सी एंड कंपनी को उन्होंने खुलकर खेलने नहीं दिया। अतिरिक्त समय में 15 मिनट के दूसरे हाफ के शुरूआती मिनट में ही टोरेस ने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद को बायें पैर से नियंत्रण में लेकर शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे रोक नहीं सके।

एंजो फर्नांडिज को स्टॉपेज टाइम के दूसरे हाफ में दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया जिससे अर्जेंटीना को दस खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। फर्नांडिस को स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबारासी से खतरनाक ढंग से टकराने के कारण कार्ड मिला। स्पेन ने निर्धारित समय में 15 शॉट लगाये लेकिन अर्जेंटीना एक भी नहीं लगा सकी। स्पेन को नौ और अर्जेंटीना को सिर्फ एक कॉर्नर मिला। इसके साथ ही स्पेन पुरुष और महिला फुटबॉल विश्व कप एक ही समय पर जीतने वाला पहला देश बन गया। 48 टीमों के इस सबसे बड़े विश्व कप का यह 104वां मैच था।

इसे देखने के लिये टॉम क्रूज, ब्रैड पिट, जेनिफर हडसन, डेनियल क्रेग, जेनिफर कोनोली जैसे हॉलीवुड सितारे मौजूद थे जबकि काका, जिनेदीन जिदान, डेविड बैकहम, दिदियेर ड्रोग्बा, रोनाल्डो, रोनाल्डिन्हो जैसे दिग्गज पूर्व फुटबॉलर भी दर्शक दीर्घा में थे। फाइनल से पहले 90 मिनट के समापन समारोह में जस्टिन बीबर, मैडोना, शकीरा और बीटीएच ने कार्यक्रम पेश किये।

अमेरिका ने ईरान पर फिर किए हवाई हमले

तेहरान ने बहरीन और कुवैत को बनाया निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। अमेरिका ने अपने एक और सैनिक की मौत की पुष्टि के बाद सोमवार को ईरान के उत्तर-पश्चिमी शहर तबरेज को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। माना जाता है कि इस क्षेत्र में मिसाइलों के भूमिगत ठिकाने मौजूद हैं। वहीं, ईरान ने जवाबी हमले करते हुए बहरीन और कुवैत को निशाना बनाया। बहरीन में अमेरिकी नौसेना का पांचवां बेड़ा तैनात है। पिछले महीने हुए अंतरिम युद्धविराम समझौते के टूटने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव फिर चरम पर पहुंच गया है और वे एक बार फिर पूर्ण युद्ध के करीब दिखाई दे रहे हैं। इस संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही भी काफी हद तक प्रभावित हुई है जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट और गहरा गया है।

अमेरिकी सेना ने बताया कि शनिवार को इराक में ईरान की ओर से किए गए ड्रोन हमले में उसका एक सैनिक मारा गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ''हमने आज रात उन पर फिर बेहद जोरदार हमला किया है। हमने यह कार्रवाई अपने सैनिकों की मौत का बदला लेने के लिए की है।'' इस संघर्ष में अब तक अमेरिका के 17 सैनिक मारे जा चुके हैं। इससे पहले रविवार को अमेरिकी सेना ने कहा था कि उसने जॉर्डन में शुक्रवार को हुए हमले में सैनिकों की मौत के जवाब में ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को निशाना बनाया।

अमेरिकी सेना के अनुसार, इस कार्रवाई का उद्देश्य जॉर्डन में हुए उस हमले के लिए ईरान को ''तत्काल दंडित'' करना था जिसमें अमेरिका के दो सैनिक मारे गए, एक सैनिक लापता हो गया और चार अन्य घायल हो गए थे। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमान ने बताया कि सोमवार तड़के किए गए हमलों में ईरान के सैन्य कमान केंद्रों, हवाई रक्षा और तटीय निगरानी ठिकानों, समुद्री सैन्य क्षमताओं, मिसाइल एवं ड्रोन प्रक्षेपण स्थलों तथा संचार नेटवर्क को निशाना बनाया गया।

> इराक में ईरान की ओर से किए गए ड्रोन हमले में उसका एक सैनिक मारा गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ''हमने आज रात उन पर फिर बेहद जोरदार हमला किया है। हमने यह कार्रवाई अपने सैनिकों की मौत का बदला लेने के लिए की है।''

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए की खबर के अनुसार, अमेरिकी हमलों में राजधानी तेहरान से करीब 520 किलोमीटर दूर स्थित उत्तर-पश्चिमी शहर तबरेज के आसपास एक व्यक्ति की मौत हो गई।

माना जाता है कि तबरेज में ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के ऐसे ठिकाने हैं, जहां मिसाइलों को भूमिगत रखा जाता है। आईआरएनए की खबर के अनुसार, अमेरिकी हमलों में खुजस्तान प्रांत के बंदर इमाम खुमैनी, होर्मोजगान प्रांत के सिरिक और जास्क तथा सीस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के कोनारक और चाबहार को भी निशाना बनाया गया। इस बीच, ब्रिटेन की सेना ने बताया कि सोमवार तड़के ओमान के तट के निकट होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज में आग लग गई।

संसद की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

आंसू गैस के गोले छोड़े गए, कई घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को संसद मार्ग पर तब आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठियां भांजीं, जब मानसून सत्र के पहले दिन हजारों प्रदर्शनकारी संसद भवन की ओर मार्च कर रहे थे। सत्र के पहले दिन के लिए संसद में सभी सांसद जुटे हुए थे। शिक्षा में सुधार के लिए कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) द्वारा आहूत विरोध प्रदर्शन में छात्र संगठनों ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस),स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं और कई पेशेवरों ने हिस्सा लिया। हालात तब तनावपूर्ण हो गए, जब पूर्वाह्न करीब 11:15 बजे प्रदर्शनकारियों ने संसद मार्ग पुलिस थाने के सामने लगे एक प्रमुख अवरोधक को तोड़ दिया और संसद की ओर बढ़ने लगे, जो जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर है। पूर्वाह्न करीब 11:25 बजे, भारत माता की जय, वंदे मातरम' और इंकलाब जिंदाबाद' के नारों के बीच, प्रदर्शनकारियों ने अति सुरक्षा वाले क्षेत्र में एहतियातन लगाए गए कई अवरोधकों को पार करने की कोशिश की, जिससे धक्का-मुक्की जैसी स्थिति पैदा हो गई।

भीड़ में मौजूद उपद्रवियों ने वस्तुएं भी फेंकीं, जिससे पुलिस समेत कई लोग घायल हो गए। कई प्रदर्शनकारी घायल हुए और कई पुलिसकर्मी खून से लथपथ दिखे। पुलिस द्वारा ले जाए जाते समय एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हम यहां शिक्षा में सुधार के लिए अपनी आवाज उठाने आए हैं। अपनी बात रखे बिना हम पीछे नहीं हटेंगे। हमें जेल जाने से कोई डर नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन के निकास द्वार संख्या- 2 के बाहर आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। उन्होंने बताया कि 20 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों के आदेश पर नई दिल्ली के आस-पास इंटरनेट सेवा भी निलंबित कर दी गई। पुलिस ने अपराह्न करीब 1 बजे इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू कर दी और किसी भी सभा पर प्रतिबंध लगा दिया। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए मध्य दिल्ली में पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों की भारी तैनाती की गई। एक अधिकारी ने बताया, ''चूंकि यह एक संवेदनशील इलाका है, इसलिए नई दिल्ली ज़िले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अर्धसैनिक बलों की कई अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अलग-अलग विभागों के पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।'

उधमपुर में जमीन धंसने से राजमार्ग प्रभावित, सात दुकानें क्षतिग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी बारिश के कारण हुए भू-धंसाव से सोमवार को उधमपुर जिले में सात दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण उधमपुर के ऊपरी किथेर-नारसू क्षेत्र में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे भू-धंसाव की घटना हुई।

उन्होंने बताया कि इस घटना में एक रेस्तरां सहित सात दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त ढांचों से मलबा हटाया। अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे लगभग चार एकड़ क्षेत्र में जमीन में दरारें पड़ गई हैं, जिससे आसपास मौजूद अन्य ढांचों पर भी खतरा मंडरा रहा है।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर दिल्ली में नेकां का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने सोमवार को दिल्ली में प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार से संसद एवं उच्चतम न्यायालय के समक्ष किए गए उसके वादे को पूरा करने की अपील की।

नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता संसद के मानसून सत्र के पहले दिन जम्मू-कश्मीर हाउस के बाहर एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में ''अपना वादा पूरा करो'', जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकार और सम्मान बहाल करो'' और पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करो'' जैसे संदेश लिखी तख्तियां थीं।

प्रदर्शनकारियों ने ''मोदी का वादा, क्यों रहा आधा?'' जैसे नारे भी लगाए। इस दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब की ओर जाते देखा गया, जहां जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। फारूक अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, हम पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए लड़ रहे हैं, जिसका वादा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने संसद में, उच्चतम न्यायालय में और जम्मू-कश्मीर के लोगों से किया था। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि सरकार देश की जनता की इच्छा का सम्मान करेगी। मुझे उम्मीद है कि वह देश के हित में काम करेगी, लद्दाख की समस्याओं का भी समाधान होगा तथा जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को केंद्र को उसका वादा याद दिलाने के लिए दिल्ली आना पड़ा। उन्होंने कहा, ''आपने जम्मू-कश्मीर के लोगों से वादा किया था कि चुनाव के बाद राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। आज करीब डेढ़ साल हो चुके हैं, लेकिन न प्रधानमंत्री और न ही गृह मंत्री ने अपना वादा पूरा किया है।'' चौधरी ने कहा कि नेकां, कांग्रेस और उनके सहयोगी दल जम्मू-कश्मीर के लोगों से किए गए आश्वासन को केंद्र सरकार को याद दिलाने के लिए दिल्ली आए हैं। उन्होंने कहा, ''आपने यह वादा संसद में किया, उच्चतम न्यायालय में किया और जम्मू-कश्मीर के हर बच्चे से किया कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। वह उचित समय आखिर कब आएगा?'' गौरतलब है कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन कर उसे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख नामक दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था।

उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक लोकसभा में पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रावधान वाला विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। इस दौरान विपक्षी सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले और नीट पेपर लीक के मुद्दों को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। इसी साल मई में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने से संबंधित विधेयक को मंजूरी दी थी। इसके तुरंत बाद सरकार अध्यादेश लेकर आई थी।

अध्यादेश के बाद बढ़ाई गई स्वीकृत संख्या के आधार पर उच्चतम न्यायालय में पांच न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई। विधेयक के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता नहीं होगी और इसे पारित करने के लिए साधारण बहुमत की जरूरत होगी। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या इससे पहले 2019 में बढ़ाई गई थी। उस समय प्रधान न्यायाधीश को छोड़कर न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी।

अदालत ने ममता गुट को 'फ्रीज' किए गए तीन बैंक खातों के संचालन की अंतरिम मंजूरी देने से इनकार किया

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट को पार्टी के उन तीन बैंक खातों के संचालन की अंतरिम इजाजत देने से इनकार कर दिया जिन्हें ईडी ने 'फ्रीज' कर दिया था। ईडी ने तृणमूल कांग्रेस के तीन बैंक खातों को 'फ्रीज' कर दिया था जिनमें कुल 440.42 करोड़ रुपये जमा हैं। यह कार्रवाई राज्य पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई जांच के सिलसिले में की गई थी। प्राथमिकी में बेईमानी से किए गए वित्तीय लेन-देन, गैर-कानूनी तरीके से धन जुटाने और पार्टी के कुछ बैंक खातों के जरिए संदिग्ध कोष की हेराफेरी के आरोप लगाए गए थे। इस मामले में दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद न्यायमूर्ति कृष्णा राव ने 13 जुलाई को अर्जी पर अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया था। अधिकारियों के अनुसार, ईडी की शुरुआती जांच में पता चला है कि अप्रैल 2023 और जून 2026 के बीच तृणमूल कांग्रेस के बैंक खातों से 'केयरवेल एविएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' और उससे जुड़ी कंपनी को लगभग 160 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए थे।

कॉजपा के विरोध मार्च के बीच प्रधान ने शाह से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के विरोध मार्च के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब कथित परीक्षा अनियमितताओं को लेकर प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कॉजपा के आह्वान पर हजारों लोगों ने संसद की ओर कूच करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने बताया कि प्रधान ने संसद भवन परिसर स्थित शाह के कार्यालय में उनसे मुलाकात की। हालांकि, बैठक में क्या चर्चा हुई, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी।

कॉजपा संस्थापक अभिजीत दीपके के नेतृत्व में संगठन के प्रदर्शनकारी 20 जून से जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। संगठन नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, परीक्षा प्रणाली में सुधार और प्रभावित छात्रों को न्याय दिलाने की मांग कर रहा है। संगठन ने संसद के

मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को 'चलो संसद' मार्च का आह्वान किया। सोमवार सुबह हजारों लोग जंतर-मंतर पर एकत्र हुए और उन्होंने अवरोधक तोड़ते हुए तथा पुलिस के लाठीचार्ज और आंसू गैस का सामना करते हुए संसद की ओर मार्च करने का प्रयास किया।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नई दिल्ली जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसके तहत अर्द्धसैनिक बलों की अतिरिक्त टुकड़ियों तथा आसपास के जिलों से पुलिस बल तैनात किया गया है। इससे पहले, कॉजपा ने सुबह दावा किया था कि सरकार ने उससे बातचीत के लिए संपर्क किया है और उसके दो प्रवक्ता केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा से मुलाकात करेंगे।

अदालत ने सफदरजंग अस्पताल से सोनम वांगचुक की मेडिकल रिपोर्ट व हेल्थ बुलेटिन तलब किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को सफदरजंग अस्पताल से सोनम वांगचुक की जांच रिपोर्ट और स्वास्थ्य बुलेटिन जमा करने को कहा।

साथ ही, अदालत ने कहा कि वह मंगलवार को भूख हड़ताल कर रहे जलवायु कार्यकर्ता की पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो की उस याचिका पर फैसला करेगी, जिसमें उन्हें किसी निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है।

पीठ सफदरजंग अस्पताल में वांगचुक के हो रहे इलाज में दखल देने से इनकार करने संबंधी एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली आंग्मो की अपील पर सुनवाई करने के लिए सोमवार को सहमत हो गयी। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा, रिपोर्ट में आज के नमूनों का विश्लेषण शामिल होना चाहिए।

अदालत ने कहा कि वह मंगलवार को इस बात पर फैसला करेगी कि वांगचुक को किसी निजी अस्पताल में ले जाने के लिए आंग्मो की अर्जी को मंजूरी दी जाए या नहीं।

पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का विशेष सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी (ओडिशा)/भाषा। पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर के प्राधिकारियों ने भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा की वार्षिक रथयात्रा के बीच रत्न भंडार का विशेष सर्वेक्षण किया।

अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा सरकार द्वारा अनुमोदित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत यह प्रक्रिया रविवार को संपन्न कराई गई। इस दौरान मुख्य रूप से देवताओं के लिए उपयोग किए जाने वाले आभूषणों की गिनती की गई और उनका वजन किया गया। मंदिर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और उत्सवों के कारण यह प्रक्रिया 23 मई से स्थगित थी। इन आभूषणों को पिछले महीने स्नान पूर्णिमा के अवसर पर देवताओं के विग्रहों से उतारा गया था।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी ने बताया कि विशेष सर्वेक्षण के दौरान जिन आभूषणों और सामग्रियों का सत्यापन किया गया, उनमें 'राहु रेखा', सोने-चांदी के सामान, चांदी की 'रसिका' तथा देवताओं से संबंधित अन्य आभूषण और सामग्री शामिल थीं। पाढ़ी ने कहा कि पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई।

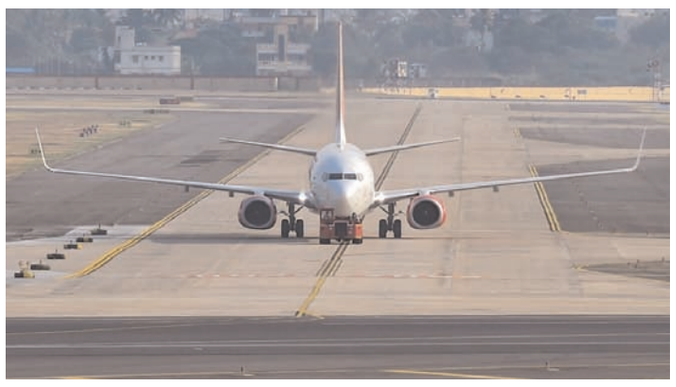

पायलट संगठन ने खाड़ी देशों के लिए उड़ानें निलंबित करने की मांग रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पायलट संगठन एएलपीए इंडिया ने पश्चिम एशिया में बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच सोमवार को सरकार से भारतीय एयरलाइन कंपनियों की दुबई एवं अबू धाबी सहित खाड़ी क्षेत्र के लिए उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित करने की मांग की। इसके साथ ही भारतीय एयरलाइन पायलट संघ (एएलपीए इंडिया) ने कहा कि व्यापक सुरक्षा आकलन पूरा नहीं होने तक उड़ानों का यह निलंबन जारी रखा जाए। पायलट संगठन ने नागर विमानन मंत्रालय और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को लिखे पत्र में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हाल में फिर से शुरू हुए संघर्ष के बाद क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और बिगड़ गई है।

संगठन के अनुसार, संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में उड़ान भरने वाले नागरिक विमानों के कई जोखिमों का सामना करने की आशंका है, लिहाजा स्वतंत्र और व्यापक जोखिम आकलन किए जाने तक भारतीय एयरलाइंस की सभी वाणिज्यिक उड़ानों को प्रभावित खाड़ी गंतव्यों के लिए तत्काल प्रभाव से रोक दिया जाए।

इसके साथ ही संगठन ने जोखिम कम करने के उपायों, एयरलाइंस द्वारा मजबूत परिचालन जोखिम आकलन और मौजूदा खतरे के माहौल में पर्याप्त बीमा कवर तथा वैकल्पिक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने की भी मांग की है।

एएलपीए इंडिया ने कहा कि पायलटों को मौजूदा जोखिमों की पूरी जानकारी दी जानी चाहिए और उन्हें असुरक्षित हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने के लिए किसी प्रकार के व्यावसायिक दबाव में नहीं डाला जाना चाहिए। पायलट निकाय ने यह भी कहा कि वह संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के जोखिम आकलन और उड़ान सुरक्षा से जुड़े किसी भी तकनीकी परामर्श में मंत्रालय और डीजीसीए की सहायता के लिए तैयार है।

भविष्य उनका होगा जो मानवीय क्षमताओं में निवेश करेंगे : एचसीएल के पूर्व सीईओ नायर

नई दिल्ली/भाषा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दौर का सबसे बड़ा जोखिम ज़्यादा स्मार्ट मशीनें नहीं, बल्कि लोगों का अपनी खूबियों पर से भरोसा उठना है। यह बात लेखक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनीत नायर की एक नई किताब में कही गई है।

सोमवार को इस किताक का विमोचन किया गया, जिसका शीर्षक है ''ह्यूमन्स फर्स्ट, मशीन्स सेकंड: 30 स्पार्क्स फॉर विनिंग इन द एज ऑफ एआई''। इसमें नायर का तर्क है कि हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती शायद तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि इंसानी आत्मविश्वास का बढ़ता संकट हो सकता है। ऐसे समय में जब संस्थान एआई-प्रथम बनने की होड़ में लगे हैं, नायर एक दिलचस्प और अलग नज़रिया पेश करते हैं। उनका मानना है कि भविष्य उनका नहीं होगा जो बस तेजी से प्रौद्योगिकी अपनाते हैं, बल्कि उनका होगा जो इंसानी क्षमता में निवेश करना जारी रखते हैं।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ में आईटी उद्योग के सबसे मशहूर बदलावों में से एक का नेतृत्व करने और संपर्क फाउंडेशन के ज़रिए लाखों बच्चों की शिक्षा में बदलाव लाने के अपने अनुभव के आधार पर, नायर तीस व्यावहारिक विचारों के जरिए नेतृत्व, खुद पर भरोसा, साहस, विश्वास, कल्पना और नए सिरे से शुरुआत करने जैसे विषयों पर बात करते हैं।

तेलंगाना में एक लाख रुपये में कथित रूप से बेचा गया नवजात शिशु बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के महबूबनगर जिले में अपने माता-पिता द्वारा कथित रूप से एक लाख रुपये में बेचे गए एक माह के बालक को पुलिस ने बरामद कर इस संबंध में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना जिले के तेलुगुगुडेम गांव की है। एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) के एक अधिकारी की शिकायत के आधार पर 17 जुलाई को नवजात को खरीदने वाले व्यक्ति और एक बिचौलिए के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस दल ने महबूबनगर शहर में खरीदार के कब्जे से शिशु को बरामद कर उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सौंप दिया। प्रारंभिक जांच के आधार पर अधिकारी ने बताया कि जून में एक मजदूर दंपति के यहां इस बच्चे का जन्म हुआ था।

आरोप है कि करीब एक पखवाड़े पहले दंपति ने एक बिचौलिए के माध्यम से नवजात को बेच दिया। पुलिस के अनुसार, दंपति के पहले से दो बेटे और एक बेटी हैं। उन्होंने नवजात को किन परिस्थितियों में बेचा, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

केरल की अदालत ने 2025 के चर्चित नेन्मारा दोहरे हत्याकांड मामले में दोषी को मौत की सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़/भाषा। केरल की एक अदालत ने 2025 के चर्चित नेन्मारा दोहरे हत्याकांड मामले में 61 वर्षीय दोषी चेंथमारा को मौत की सजा सुनाई है।

पलक्कड़ के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश केनेथ जॉर्ज ने चेंथमारा को 27 जनवरी 2025 को नेन्मारा के निकट पोथुंडी में अपने पड़ोसी सुधाकरन और उनकी मां लक्ष्मी की हत्या का दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई और 20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने चेंथमारा को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या), धारा 201 (साक्ष्य मिटाने का प्रयास) और धारा 449 (घर में अनधिकृत प्रवेश) के तहत दोषी करार दिया। मामले को ''दुर्लभ से दुर्लभतम'' श्रेणी का बताते हुए

अदालत ने कहा कि दोषी ने एक ही परिवार के कई सदस्यों की निर्मम हत्या की है। चेंथमारा को इससे पहले 2019 में सुधाकरन की पत्नी सजीथा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन के अनुसार, उसने अपनी वैवाहिक समस्याओं के लिए सजीथा को जिम्मेदार मानते हुए उनकी हत्या की थी। जनवरी 2025 में उस मामले में जमानत पर रिहा होने के बाद चेंथमारा ने कथित तौर पर सुधाकरन और उनकी मां लक्ष्मी की भी हत्या कर दी। दोहरे हत्याकांड के तुरंत बाद पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान चलाकर उसे गिरफ्तार कर लिया था। बाद में उसे मलमपुझा जेल भेज दिया गया।

सजीथा हत्याकांड में एक अदालत पहले ही चेंथमारा को दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुना चुकी है। दोहरे हत्याकांड की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 81 गवाहों के बयान दर्ज कराए और अदालत के समक्ष 28 भौतिक साक्ष्य प्रस्तुत किए।

कांग्रेस नेता ने वेणुगोपाल के खिलाफ संगठित साइबर हमले का आरोप लगाया, जांच की मांग की

कोझिकोड/भाषा। केरल के कोझिकोड जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के प्रवीण कुमार ने सोमवार को आरोप लगाया कि पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल को एक सुनियोजित साइबर अपराध के जरिये निशाना बनाया जा रहा है और उन्होंने इसकी विस्तृत जांच की मांग की।

कांग्रेस विधायक कुमार ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए आरोप लगाया कि कुछ निहित स्वार्थ वाले लोग जानबूझकर वेणुगोपाल का नाम ऐसे मामलों में शामिल कर रहे हैं, जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं है, ताकि उनकी छवि खराब की जा सके।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ''ऐसे मामलों में भी, जिनका वेणुगोपाल से कोई लेना-देना नहीं है, उनका नाम बेवजह शामिल किया जा रहा है। केरल में हालात ऐसे हो गए हैं कि अगर कोई हाथी बेकाबू हो जाए या अर्जेंटीना फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल हार जाए, तो भी वेणुगोपाल को ही दोषी ठहराया जाता है।''

कुमार ने इस साइबर अभियान के पीछे ''एक गिरोह'' के होने का दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें शामिल लोग कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं हैं, बल्कि वे अपने निहित स्वार्थ के लिए काम कर रहे हैं।

यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी ने आत्महत्या का प्रयास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण हासिल कर रहे एक आईपीएस अधिकारी ने कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया, जिसके बाद उन्हें सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के प्रशिक्षु अधिकारी पर अकादमी की एक महिला प्रशिक्षु अधिकारी का कथित तौर पर पीछा करने और उनका यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज है।

आरोपी प्रशिक्षु अधिकारी का उपचार कर रहे एक चिकित्सक ने बताया कि उन्हें अचेत हालत में सुबह करीब साढ़े नौ बजे उनके भाई और दोस्त अस्पताल लेकर आए। उन्होंने संदेह जताया था कि उक्त अधिकारी ने कुछ नुकसानदेह पदार्थ खा लिया होगा। चिकित्सक ने बताया कि पेट की सफाई की गई और कुछ भी ''असामान्य'' नहीं पाया गया। चिकित्सक ने मीडियाकर्मियों को बताया कि रक्त और पेशाब के नमूने जांच के लिए भेजे गए और उनके जरूरी स्वास्थ्य मानक स्थिर थे। उन्होंने बताया कि हालांकि अस्पताल लाये जाने के दौरान वह अचेत अवस्था में थे, लेकिन अब उन्हें कुछ सुस्ती महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि पूरी तरह होश में आने और मेडिकल जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही वास्तविकता का पता चल पाएगा।

चिकित्सक ने आरोपी प्रशिक्षु अधिकारी के भाई के हवाले से बताया कि उनके बिस्तर के पास शराब और सैनिटाइजर की बोतलें मिली थीं। पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में 30 वर्षीय महिला प्रशिक्षु अधिकारी ने उनके साथ प्रशिक्षण हासिल कर रहे उक्त आईपीएस अधिकारी पर 23 जून से 'मैसेजिंग ऐप' के जरिए उन्हें आपत्तिजनक संदेश भेजकर परेशान करने और अकादमी में उनके (महिला प्रशिक्षु अधिकारी के) मित्रों के सामने उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणियां करने का आरोप लगाया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, प्रशिक्षु (पुरुष) अधिकारी ने उनका किसी अन्य प्रशिक्षु अधिकारी के साथ यौन संबंध होने का झूठा आरोप लगाया और अपशब्दों का इस्तेमाल किया। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया कि आरोपी ने उनपर ऐसे कथित संबंध को स्वीकार करने का दबाव डाला।

तमिलनाडु सरकार का बड़ा फैसला, सभी सरकारी कार्यालयों में लगेंगे भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ऐसे भ्रष्टाचार विरोधी सूचना बोर्ड प्रमुख स्थानों पर लगाने का निर्देश दिया गया है, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि रिश्वत देना और रिश्वत लेना दोनों ही दंडनीय अपराध हैं।

यह निर्देश मुख्य सचिव एम. साई कुमार द्वारा हस्ताक्षरित एक सरकारी आदेश के माध्यम से जारी किया गया। आदेश के अनुसार, प्रत्येक सरकारी कार्यालय में तमिल और अंग्रेजी भाषा में द्विभाषी सूचना बोर्ड ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां आम जनता उन्हें आसानी से देख सके।

विजय सरकार ने सभी विभागों को यह भी निर्देश दिया है कि वे यही भ्रष्टाचार विरोधी संदेश अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर भी प्रकाशित करें।

इसके साथ ही वेबसाइट पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) के पोर्टल का सीधा लिंक भी उपलब्ध कराया जाएगा।

सरकारी आदेश में कहा गया है कि वर्ष 2006 से इस संबंध में कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद अनेक कार्यालयों ने इनका पूरी तरह पालन नहीं किया। कई जगहों पर भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड लगाए ही नहीं गए, जबकि कुछ कार्यालयों में इन्हें ऐसी जगह

लगाया गया जहां आने वाले लोगों की नजर आसानी से नहीं पड़ती थी। सरकार का कहना है कि नया आदेश राज्य के सभी सरकारी प्रतिष्ठानों में इस व्यवस्था को एक समान तरीके से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है।

इन सूचना बोर्डों पर रिश्वत देना और रिश्वत लेना अपराध है संदेश के अलावा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) का पता, टेलीफोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, फैक्स नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी भी प्रदर्शित की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इन जानकारियों तक लोगों की आसान पहुंच होने से वे भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की शिकायत बिना किसी कठिनाई के दर्ज करा सकेंगे। सभी विभागों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले वैधानिक बोर्डों, निगमों, स्थानीय निकायों, सरकारी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी इसी प्रकार के निर्देश जारी करने के लिए कहा गया है।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन आदेशों को बिना किसी देरी के लागू करना सुनिश्चित करें।

आदेश के अनुपालन की निगरानी के लिए विभिन्न विभागों की निरीक्षण शाखाओं और जिला कलेक्टर कार्यालयों के निरीक्षण प्रकोष्ठों को यह सत्यापित करने का निर्देश दिया गया है कि सभी कार्यालयों में निर्धारित प्रारूप के अनुसार सूचना बोर्ड लगाए गए हैं और सरकारी निर्देशों का पूरी तरह पालन किया गया है। इसके अलावा सरकार ने विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी कार्यालयों में आदेशों के पालन की पुष्टि करने के बाद मानव संसाधन प्रबंधन विभाग को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

यह नई पहल राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) की समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9498180936 शुरू किए जाने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है। इस हेल्पलाइन का उद्देश्य नागरिकों को भ्रष्टाचार की शिकायतें तेजी से दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराना और सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता तथा जवाबदेही को और मजबूत बनाना है।

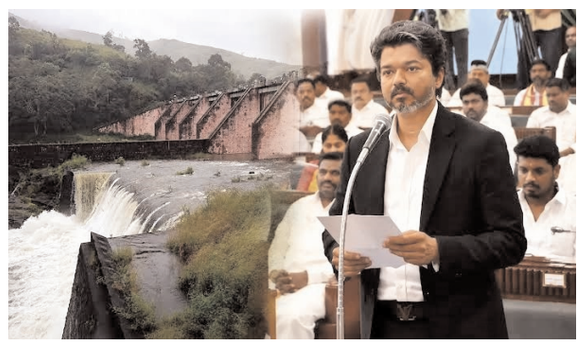

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने मेकेदातु बांध मुद्दे पर बैठक की अध्यक्षता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को मेकेदातु बांध मुद्दे पर कानूनी विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श के लिए एक बैठक की। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, सचिवालय में एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए विजय ने शीर्ष अधिकारियों के साथ इस बात पर चर्चा की कि आगे क्या कदम उठाए जाएं, क्योंकि कर्नाटक ने तमिलनाडु के लिये कावेरी का पानी नहीं छोड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कर्नाटक के मेकेदातु बांध प्रस्ताव और उस पहल को रोकने के लिए राज्य द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर कावेरी तकनीकी प्रकोष्ठ के अधिकारियों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ चर्चा की। तमिलनाडु ने कर्नाटक के उस कदम का विरोध किया है जिसके तहत वह राज्य में कावेरी नदी पर मेकेदातु में एक जलाशय बनाना चाहता है; तमिलनाडु का कहना है कि इससे उसके हितों को नुकसान पहुंचेगा। इस बैठक में मुख्य सचिव एम. साई कुमार, जल संसाधन मंत्री एन. आनंद, लोक निर्माण मंत्री आधव अर्जुन, कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार, एडवोकेट जनरल विजय नारायण और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मुलाकात दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को फोर्ड कम्पनी के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय से मुलाकात की।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी के आरोप में द्रमुक विधायक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तूतीकोरिन। तमिलनाडु में विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता एवं विलाथिकुलम से विधायक जी. वी. मार्कंडेयन को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी करने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। द्रमुक अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने पुलिस की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की।

विलाथिकुलम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मार्कंडेयन को पुलिस की एक टीम ने उनके घर से हिरासत में लिया। इस दौरान उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए नारे लगाए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को धमकी देने वाले उनके विवादित भाषण को लेकर सत्ताधारी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के एक पदाधिकारी की शिकायत के बाद यह गिरफ्तारी हुई।

अधिकारी ने बताया कि टीवीके पदाधिकारी पी. काशीराम की शिकायत पर पुलिस ने मार्कंडेयन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत आपराधिक धमकी देने, सार्वजनिक शांति भंग करने के उद्देश्य से जानबूझकर अपमान करने और झूठी सूचना फैलाने के आरोपों में मामला दर्ज किया है।

काशीराम ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 18 जुलाई को जिले के कोविलपट्टी में

आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मार्कंडेयन ने मुख्यमंत्री के खिलाफ धमकी भरी अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में मार्कंडेयन यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति के बिना उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह एक विधायक हैं। हालांकि, पुलिस उन्हें समझाकर थाने ले गई। इस दौरान उनके समर्थक आवास के बाहर प्रदर्शन करते रहे।

यह दूसरी बार है जब तूतीकोरिन जिले से द्रमुक के किसी विधायक को गिरफ्तार किया गया है।

इससे पहले, तीन जुलाई को जिले की तिरुचेंदूर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व राज्य मंत्री अनिता आर. राधाकृष्णन को भी मुख्यमंत्री विजय के खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मार्कंडेयन की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए स्टालिन ने टीवीके सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया और कहा कि मौजूदा सरकार की गलतियों और अनियमितताओं को उजागर करने के कारण पूर्व द्रमुक मंत्रियों और पार्टी विधायकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, हाल ही में अदालत ने मानहानि के मामलों में भी असंबंधित आपराधिक धाराएं जोड़ने को लेकर सरकार को फटकार लगाई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि गिरफ्तार विधायक को अपने वकील और समर्थकों से मिलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, जो लोग उनके (मार्कंडेयन) लिए दवाइयां लेकर गए, उन्हें भी रोका गया। गिरफ्तार व्यक्ति के बुनियादी कानूनी और मानवीय अधिकारों से भी इनकार किया गया। तमिलनाडु में जो हो रहा है, वह कानून का शासन है या शैतान का शासन?

स्टालिन ने कहा कि पुलिस का काम सरकार को खुश करना नहीं है। उन्होंने आगाह किया कि उसे कानून और अपनी अंतरात्मा के अनुसार काम करना चाहिए, ऐसा नहीं करने पर उसे परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

द्रमुक सांसद कनिमोई ने भी राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह आलोचना सहन नहीं कर पाने के कारण द्रमुक विधायकों को गिरफ्तार कर रही है। उन्होंने मार्कंडेयन की तत्काल रिहाई की मांग की।

कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में संसद में मेकेदातु बांध मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग रखी : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने कहा है कि दिल्ली में आयोजित कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में उसने कावेरी नदी पर मेकेदातु बांध बनाने की कर्नाटक सरकार की योजना पर संसद में चर्चा के लिए समय उपलब्ध कराने की पुरजोर मांग की है।

पार्टी ने यह भी कहा कि उसने बैठक में इस सत्र के दौरान विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक, 2026 को पेश किए जाने का कड़ा विरोध किया।

द्रमुक के राज्यसभा सदस्य पी. विल्सन ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन के निर्देशों के अनुसार, लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में हमने कर्नाटक सरकार की मेकेदातु बांध निर्माण योजना तथा इस मामले में न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) के गठन की तमिलनाडु की मांग पर संसद में चर्चा के लिए समय उपलब्ध कराने पर जोर दिया।''

उन्होंने आरोप लगाया कि यदि पड़ोसी राज्य की यह योजना साकार होती है, तो इससे तमिलनाडु के किसानों और आम जनता के हित गंभीर रूप से प्रभावित होंगे। विल्सन ने कहा, ''द्रमुक ने बीएसी की बैठक में यह भी आपत्ति दर्ज कराई कि कड़े एफसीआरए संशोधन विधेयक से प्रभावित होने वाले हितधारकों और धार्मिक संस्थानों से अब तक कोई परामर्श नहीं किया गया है। इसलिए पार्टी ने मौजूदा संसदीय सत्र में एफसीआरए संशोधन विधेयक, 2026 को पेश किए जाने का कड़ा विरोध किया है।''

श्रद्धालु ने टीटीडी के श्री वेंकटेश्वर विद्यादान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये का दान दिया

तिरुपति। विजयवाड़ा के श्रद्धालु तिरुमला कुमार कनकमेदला ने सोमवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के श्री वेंकटेश्वर विद्यादान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये का दान दिया। श्री वेंकटेश्वर विद्यादान ट्रस्ट आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। टीटीडी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया, ''कनकमेदला ने टीटीडी के श्री वेंकटेश्वर विद्यादान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये का दान दिया।'' कनकमेदला ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर परिसर स्थित रंगनायकुला मंडपम में मंदिर निकाय के उप कार्यकारी अधिकारी लोकनाथम को दान राशि का डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) सौंपा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम विश्व प्रसिद्ध वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक तौर पर प्रबंधन करता है।

इंडियन ओवरसीज बैंक का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 49% बढ़कर 1,659 करोड़ रुपये पर

चेन्नई/नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 49.3 प्रतिशत बढ़कर 1,659 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार से बैंक का लाभ बढ़ा है। पिछले साल 2025-26 की इसी तिमाही में बैंक को 1,111 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में कुल आय बढ़कर 10,938 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 8,866.47 करोड़ रुपये थी।

बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ और सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जीएनपीए) घटकर 1.33 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले 1.97 प्रतिशत थी। इसी तरह, शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.18 प्रतिशत हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 0.32 प्रतिशत था।

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 20% बढ़कर 28 करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 28 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से प्रीमियम संग्रह में वृद्धि के कारण लाभ बढ़ा है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय बढ़कर 2,048 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 1,653 करोड़ रुपये थी।

समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति 14 प्रतिशत बढ़कर 49,683 करोड़ रुपये से अधिक हो गई।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना

डी.आर.एम./कर्षण वितरण, उ.प.रे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या:** GSU-ELECT-JU-02-2026-27। **कार्य का नाम:** TRD work in c/w (a) proposed New Block station between SBLT-OCH (b) proposed New Block station between THM-JCH in RKB-JSM (c) 02 running lines cover shed & Catwalk on both pit line at Jaisalmer station (d) additional new platform new platform no. 4&5, extension of existing FOB & Second entry at Jaisalmer station. **कार्य की अनुमानित लागत:** Rs. 77215888.00। **ई-निविदा खोलने की तिथि व समय:** 12.08.2026 को 15.00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि व समय:** 12.08.2026 को 15.00 बजे के बाद। **सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: https://www.ireps.gov.in**

1049-MG/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज एवं वैगन कारखाना, उ.प.रे, बीकानेर द्वारा खुली ई-निविदा सूचना संख्या **01-ENGG-BKNWS-2026** निम्नलिखित कार्य के लिए ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नाम:** सहायक इंजिनियर/कारखाना/बीकानेर के अंतर्गत बीकानेर वर्कशॉप के विभिन्न हिस्सों में मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं में सुधार और अपग्रेडेशन का काम इसमें ट्रैवर्सर के लिए पाथवे का विस्तार, पानी की सप्लाई का सिस्टम, स्टाफ रूम, कैंटीन और अन्य विविध कार्य शामिल हैं। **2. कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 2,24,50,979.50 (जीएसटी सहित)। **3. बयाना राशि:** रु. 44,9000.00। **4. ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं खुलने का समय व दिनांक:** 10.08.2026 को 15:00 बजे तक। ई-निविदा उसी दिन 15:30 बजे खोली जाएगी। **5. वेबसाइट विवरण जहाँ से ई-निविदा की पूर्ण जानकारी देखी जा सकती हैं:** www.ireps.gov.in

1048-MG/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094196, 4184, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संशोधन-I दिनांक 20.07.2026

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ईटीएन-47/2026-27 दिनांक 10.07.2026
कार्य का नाम	एससीसी परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में मौजूदा स्टेज में बदलाव (सिविल कार्य) - मौजूदा खुले स्टेज के लिए स्ट्रक्चरल स्टील शेल्टर।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 24.90 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	02 (दो) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	11.07.2026 को 14.30 बजे से 17.07.2026 को 16.30 तक जिसे अब 21.07.2026 को 16.30 बजे तक बढ़ाया गया है।
बोली स्पष्टीकरण	11.07.2026 को 15.30 बजे से 18.07.2026 को 16.30 तक जिसे अब 22.07.2026 को 16.30 बजे तक बढ़ाया गया है।
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	19.07.2026 को 16.30 तक जिसे अब 23.07.2026 को 16.30 बजे तक बढ़ाया गया है।
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	20.07.2026 को 16.30 तक जिसे अब 24.07.2026 को 11.30 बजे तक बढ़ाया गया है।
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	21.07.2026 को 11.30 के बाद से जिसे अब 24.07.2026 को 14.30 बजे के बाद तक बढ़ाया गया है।
अग्रदाय रकम जमा(ईएमडी)	रु. 49,800/-

पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट https://www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी - अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/ISRO पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

भाजपा को गौरवान्वित करने में गौड़ा का योगदान अनोखा : बीएस येडीयुरप्पा

पूर्व मंत्री रामचन्द्र गौड़ा का स्मृति कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी को राज्य में परचम लहराने में पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रामचंद्र गौड़ा का बड़ा योगदान रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येडीयुरप्पा ने कहा कि उन्हें बीजेपी के भीष्म के नाम से जाना जाता है।

सोमवार को मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में मौजूद पूर्व मंत्री रामचंद्र गौड़ा के स्मृति कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य भर में यात्रा करके पार्टी के निर्माण के लिए ईमानदारी से प्रयास किया था। रामचन्द्र गौड़ा ने पांच दशकों तक मेरे साथ भाई की तरह काम किया। उन्होंने याद किया कि उन्हें 1970 में बेंगलूरु कॉर्पोरेशन में जनसंघ का झंडा फहराने का श्रेय दिया गया था।

उन्होंने आपातकाल के काले दिनों के दौरान लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए लड़ाई लड़ी। वह पांच बार विधान परिषद के लिए चुने गए और तीस वर्षों तक उच्च सदन में लोगों की समस्याओं का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने बहुत कुशलता से काम किया।

उन्होंने कहा कि गौड़ा उन लोगों में प्रमुख हैं जिन्होंने राज्य में लॉटरी पर प्रतिबंध लगाने के लिए संघर्ष किया और सफल रहे। वह किसी भी कठिन परिस्थिति में शांति से काम लेते थे। उनके सौम्य स्वभाव, सरलता, उदारता को भुलाया नहीं जा सकता। पूरी पार्टी उनके परिवार के दुख में शामिल है।' उन्होंने कहा, ''उनके सिद्धांत और आदर्श हमें आगे ले जाएं।''

रामचन्द्र गौड़ा एक दूरदर्शी नेता हैं। पूर्व मंत्री व विधायक एस सुरेश कुमार ने कहा कि नगर निगम में स्वघोषित संपत्ति व्यवस्था लागू करने में उनकी भूमिका अहम थी। वह हमारी पार्टी के मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक की तरह थे। वह एक दार्शनिक थे जो बहुत सी बातें

जानते थे। उन्होंने कई लोगों के गुरु के रूप में उनके साथ बिताए अपने दिनों को याद किया। जब वह 80 में नगरपालिका चुनाव के लिए खड़े हुए थे तो वह माइक पर प्रचार करने वाले पहले व्यक्ति थे।

उन्होंने कहा कि गौड़ा विधान परिषद के सबसे अग्रणी सदस्य थे जो स्नातकों के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। जिन्होंने सिंगल डिजिट लॉटरी लड़ी और जीत गए। गौड़ा और बीएस येडीयुरप्पा को कई परिवारों को बचाने का श्रेय दिया जाता है। रामचन्द्र गौड़ा का व्यक्तित्व अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि वह रामचंद्र गौड़ा ही थे जिन्होंने गोवा मुक्ति आंदोलन में जगन्नाथ राव के साथ काम किया था।

इस मौके पर माइथिक सोसाइटी के अध्यक्ष वी. नागराज, पार्टी नेता, जन प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति, कार्यकर्ता और रामचंद्र गौड़ा के प्रशंसक उपस्थित थे।

निजी विद्यालयों को नियमों की पालना अनिवार्य, लापरवाही पर होगी कार्रवाई : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि राजस्थान में निजी विद्यालयों की मान्यता प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और सरल बनाया जाएगा। नवीन मान्यता के लिए आवेदन 31 जुलाई से आमंत्रित किए जाएंगे तथा प्रत्येक स्तर पर निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निजी विद्यालयों को सरकारी नियमों की पूर्ण पालना करनी होगी, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री सोमवार को शिक्षा संकुल में निजी विद्यालयों की मान्यता प्रक्रिया के सरलीकरण तथा लंबित प्रकरणों की समीक्षा बैठक में निर्देश दे रहे थे। दिलावर ने नवीन मान्यता आवेदनों की प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रथम स्तर पर गठित समिति 7 दिवस के भीतर जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी 15 दिवस के भीतर रिपोर्ट का परीक्षण कर उसे अग्रेषित करेंगे। अंतिम निर्णय निदेशक स्तर पर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी होगी। समिति के गठन तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने की संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा के अनुरूप होगी। यदि कोई जांच अधिकारी अनावश्यक विलंब करता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण में पाई गई प्रत्येक कमी का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा तथा आवेदन निर्धारित प्रारूप में ही स्वीकार किए जाएंगे। साथ ही बच्चों की सुरक्षा एवं नियमों के सरलीकरण के लिए आवश्यक संशोधन भी किए जाएंगे।

शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में छात्रों के बैठने की समुचित व्यवस्था, प्रार्थना सभा, भवन, कक्षों, आवागमन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा विद्यालय यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को विद्यालय परिसर के बाहर वाहन से न उतारा जाए, बल्कि सुरक्षित रूप से परिसर के भीतर ही उतारा जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निजी विद्यालयों की मान्यता से संबंधित लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो विद्यालय निर्धारित मानकों एवं नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी तथा आवश्यकता होने पर उनकी मान्यता भी निरस्त की जा सकेगी। दिलावर ने कहा कि जिन विद्यालयों में डमी विद्यार्थियों की प्रवृत्ति पाई जाएगी अथवा विद्यालय समय में विद्यार्थी कोचिंग संस्थानों में अध्ययन करते पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना मान्यता के विद्यालय संचालन अथवा अन्य आवश्यक नियमों के उल्लंघन पर भी कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि किसी भी छात्र की फीस बकाया होने के कारण उसकी स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी) अथवा अन्य आवश्यक शैक्षणिक दस्तावेज नहीं रोके जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को अनावश्यक रूप से परेशान करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्ति मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव ने कहा कि राज्य सरकार निजी विद्यालयों की मान्यता प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समयसीमा में सभी स्तरों पर जांच एवं प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्रक्रिया को प्रभावी बनाते हुए प्रत्येक आवेदन का गुणवत्तापूर्ण परीक्षण किया जाए तथा बच्चों की सुरक्षा, आधारभूत सुविधाओं और निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर पात्र संस्थाओं को समय पर मान्यता प्रदान की जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बैठक में निदेशक सीताराम जाट सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

टोंक जिले में तेंदुए के हमले में दो घायल, वन विभाग ने पकड़ा

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में सोमवार को तेंदुए के हमले में शराब की दुकान के एक 'सेल्समैन' समेत दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना टोडारायसिंह कस्बे में हुई जहां तेंदुए ने पहले शराब की दुकान के बाहर एक व्यक्ति फतेह लाल कोली (40) पर हमला किया। इसके बाद वह दुकान के अंदर घुस गया और वहां मौजूद 'सेल्समैन' संजय गुर्जर (25) पर भी हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, 'सेल्समैन' किसी तरह दुकान से बाहर निकलने में सफल रहा।

उन्होंने बताया कि घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा तेंदुए को पकड़ लिया। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि जयपुर चिड़ियाघर से गयी टीम को पूर्वाह्न करीब 10.30 बजे सूचना मिली थी, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर टीम ने दोपहर सवा एक बजे तेंदुए को बेहोश कर पकड़ लिया। खोज एवं बचाव दल में डॉ. अशोक तवर और सहायक वनपाल कृष्ण कुमार मीणा सहित स्टाफ शामिल थे। विभाग के अनुसार, नर तेंदुए की उम्र करीब चार से पांच साल है। घटना के बाद शराब की दुकान के बाहर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। अधिकारियों के अनुसार, दुकान में लगे सीसीटीवी के फुटेज से पूरी घटना की जानकारी मिली।

पशुपतिनाथ दर्शन का सपना सच : नेपाल के लिए पहली हवाई तीर्थ यात्रा रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026 के तहत हवाई यात्रा का सोमवार को भव्य आगाज हो गया। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने 43 वरिष्ठ नागरिकों के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल जयपुर के सिंधी कैंप स्थित होटल महादेव विला से बस द्वारा नई दिल्ली के लिए रवाना हुआ, जहां से वे हवाई जहाज से काठमांडू (नेपाल) पहुंचेंगे। सभी वरिष्ठ तीर्थयात्री काठमांडू में स्थित प्रसिद्ध बाबा पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करेंगे। पशुपतिनाथ जी के साथ-साथ काठमांडू के अन्य प्रमुख दर्शनीय धार्मिक स्थलों का भी भ्रमण कराया जाएगा।

देवस्थान मंत्री कुमावत ने कहा कि हमारी सरकार का मुख्य ध्येय हमारे बुजुर्गों के जीवन को सुगम और भक्तिमय बनाना है। उन्होंने कहा कि जो बुजुर्ग कभी हवाई जहाज में बैठने का सपना देखते थे, आज उन्हें सीधे बाबा पशुपतिनाथ के द्वार पहुंचा रही है। मंत्री कुमावत ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा में कई सुधार किए गए हैं । कुमावत ने बताया कि इस बार हवाई यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को उनके ठहराव के लिए 3 स्टार होटलों में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है । उन्होंने बताया कि काठमांडू में यात्रियों को अब 2 दिन ठहराया जाता है । अब यात्री पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के साथ-साथ बुढ़ानीलकंठ मंदिर व बोधनाथ स्तूप के भी दर्शन कर सकते हैं ।

तीर्थयात्रियों के आराम के लिए काठमांडू में 3-स्टार होटल में रुकने की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सहायता, सुरक्षा और मार्गदर्शन के लिए 01 सरकारी अनुरक्षक और 01 आईआरसीटीसी का स्टाफ पूरी यात्रा में साथ रहेगा। यह पहला दल अपनी धार्मिक यात्रा पूरी करके 22 जुलाई-2026 को वापस जयपुर लौटेगा।

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने आगामी शेड्यूल को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई से 22 सितंबर-2026 तक हर दिन काठमांडू के लिए हवाई यात्रा का संचालन किया जाएगा। 22 सितंबर तक कुल 2,860 वरिष्ठ नागरिकों को पशुपतिनाथ जी के दर्शन करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसमें बीकानेर व चूरू जिले से 28 जूलाई तक कुल 382 यात्री पशुपति नाथ जी के दर्शन कर सकेंगे। इनमे बीकानेर जिले के 205 व चूरू जिले के 177 यात्री शामिल हैं। अक्टूबर और नवंबर के महीनों में त्योहारों (दीपावली आदि) के कारण हवाई यात्राएं स्थगित रहेंगी। बचे हुए हवाई तीर्थयात्रियों को दिसंबर महीने से दोबारा काठमांडू दर्शन के लिए भेजा जाएगा। राजस्थान सरकार की इस पहल से बुजुर्गों में भारी उत्साह है और पहले दल के यात्रियों को विदा करते समय पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

छात्र की पीट-पीटकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में 16 वर्षीय एक छात्र की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, छात्र का शव रविवार रात बाड़ी क्षेत्र के निकट एक जंगल में बोरियों से ढका मिला। पुलिस ने बताया कि छात्र रविवार अपराह्न करीब दो बजे मवेशी चराने के लिए घर से निकला था, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटा जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। उसने बताया कि रात करीब नौ बजे जंगल में उसका शव बरामद किया गया।

पुलिस के मुताबिक, छात्र के सिर पर पत्थरों से प्रहार किए जाने के निशान मिले हैं। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव और आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने रविवार रात बाड़ी-बसईरी राज्य राजमार्ग पर यातायात जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार को भी उनका प्रदर्शन जारी रहा। ग्रामीणों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की। पुलिस ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें प्रदर्शन समाप्त करने के लिए समझाने का प्रयास किया।

आमजन की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को 'साइबर सुरक्षा अभियान' पोस्टर का विमोचन करते हुए कहा कि वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। तकनीक ने जहां जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, वहीं साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा साइबर अपराधियों के विरुद्ध राज्य सरकार सख्ती से कार्य कर रही है। इसके लिए प्रदेशभर में साइबर अपराधियों की पहचान, गिरफ्तारी और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नवाचारों के माध्यम से साइबर अपराधियों के विरुद्ध लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। राज्य में राजस्थान साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (ठ4उ) के माध्यम से साइबर अपराध की रोकथाम, अनुसंधान, तकनीकी समन्वय तथा विभिन्न एजेंसियों के मध्य त्वरित सूचना साझा करने के लिए अत्याधुनिक मंच बनाया जा रहा है।

साथ ही, साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं ऑपरेशन एंटीवायरस जैसे अभियानों के माध्यम से साइबर पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी संदेहास्पद लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, बैंक विवरण अथवा पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें और किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश के झांसे में न आएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तत्काल हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करे अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि सुरक्षित नागरिक, सुरक्षित डिजिटल व्यवस्था और सुरक्षित राजस्थान का संकल्प राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी के पिता को 20 करोड़ का मिला ठेका, किरोड़ीलाल मीणा ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी सुरेश ढाका को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरेश ढाका पेपर लीक नेटवर्क का सबसे अहम किरदार है। ऐसे में उसके पिता को 20 करोड़ रुपये का सरकारी ठेका मिलना जांच का विषय है। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया था कि यदि सुरेश ढाका पकड़ा गया तो कई बड़े नेताओं के नाम सामने आएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उसे जानबूझकर फरार होने का मौका दिया गया। उन्होंने कहा, सुरेश ढाका पेपर लीक का आधार स्तंभ है। अगर वह गिरफ्तार होता है तो कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। उसकी संपत्तियां अटैच होने के बावजूद उसके पिता को 20 करोड़ रुपये का सरकारी ठेका मिल गया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि अब इस मामले में कार्रवाई हुई है।

कैबिनेट मंत्री ने आरोप लगाया कि उस समय के एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) के जांच अधिकारियों के संरक्षण के कारण ही सुरेश ढाका फरार रहा। उन्होंने कहा कि जब तक उस पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक उसके सरेंडर करने की संभावना भी नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में इसी मुद्दे को उठाते हुए ठेका मिलने की पूरी प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है।

इस दौरान संसद के मानसून सत्र पर भी डॉ. मीणा ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें 'वन नेशन-वन इलेक्शन' और परिसीमन (डिलिमिटेशन) जैसे अहम विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है।

उन्होंने कहा, ये दोनों विषय राष्ट्रहित से जुड़े हैं। बार-बार चुनाव होने से सरकार का काफी समय और संसाधन खर्च होते हैं। अगर 'वन नेशन-वन इलेक्शन' लागू होता है तो इससे प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से सोमवार को लोकभवन में राजस्थान पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा में नव पदोन्नत हुए राजस्थान के अधिकारियों ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए आम जन के लिए सेवा और समर्पण भाव के साथ ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया।

अगस्त से कैंसर मरीजों को बड़ी राहत, मेडिकल कॉलेजों में मिलेगी एसएमएस विशेषज्ञों की टेली-ऑन्कोलॉजी सलाह : गजेन्द्र सिंह खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि प्रदेश के कैंसर मरीजों को अगस्त माह से बड़ी राहत मिलने जा रही है। अब मरीजों को बार-बार जयपुर आने की आवश्यकता नहीं होगी। जिले के मेडिकल कॉलेजों में टेलीमेडिसिन के माध्यम से एसएमएस मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सकों से

उपलब्ध कराया जाएगा। सोमवार को शासन सचिवालय में आरजीएचएस की समीक्षा बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नई कैंसर गाइडलाइन लागू कर दी गई है, जिससे उपचार प्रक्रिया अधिक सरल और मरीज-केंद्रित बनेगी।

उन्होंने आरजीएचएस में अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि दुरुपयोग करने वाली फार्मेसियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। साथ ही महंगी दवाइयों की खरीद के लिए पारदर्शी नीति तैयार करने तथा आरएमएससीएल एवं अधिक छूट देने वाली ग्रीन फ्लेग फार्मेसियों के विकल्पों का ऑडिट आधारित मूल्यांकन करने के निर्देश दिए।

कम चर्चित लेकिन बेहद आकर्षक पर्यटन स्थलों को भी समान रूप से बढ़ावा देने की आवश्यकता है: दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वेडिंग और पर्यटन उद्योग के बदलते स्वरूप, वैश्विक अवसरों तथा उभरती तकनीकों पर मंथन करने और दुनिया भर के पर्यटन बोर्डों, होटल इंडस्ट्री, वेडिंग प्लानर, इवेंट प्रोफेशनल्स एवं संबंधित हितधारकों को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव (आईडब्ल्यूटीसी) सीजन-3 का आयोजन रविवार को दिल्ली रोड स्थित होटल फेयरमोंट जयपुर में भव्य शुभारंभ हुआ। आईडब्ल्यूटीसी के डायरेक्टर अरशद हुसैन ने बताया कि इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी और आंध्र प्रदेश के पर्यटन मंत्री, कुंडला दुर्गेश ने किया। जर्नल मैनेजर, फेयरमाउंट होटल जयपुर, रजत सेठी और डॉ अजय जैन अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कॉन्क्लेव में फोरम के प्रेसिडेंट, हितेश शर्मा; वाईस प्रेजिडेंट, अजय चौहान; सेक्रेटरी, भुवनेश अग्रवाल और पूर्व प्रेसिडेंट, मोहित माहेश्वरी के साथ देश-विदेश से आए 600 से अधिक प्रतिनिधि वेडिंग, पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी उद्योग के भविष्य, डेस्टिनेशन वेडिंग्स, नवाचार, वैश्विक सहयोग और नए व्यावसायिक अवसरों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री, राजस्थान, दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान की पर्यटन क्षमता का कोई मुकाबला नहीं है। राज्य में पर्यटन और वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन वर्तमान में अधिकांश आयोजन नवंबर से अप्रैल के बीच ही केंद्रित रहते हैं। इसी अवधि में पर्यटन सीजन भी चरम पर होता है, जिससे एक साथ अधिक दबाव बनता है। आयोजकों और पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों से आग्रह करना चाहती हूँ कि अप्रैल से अक्टूबर के दौरान भी अधिक से अधिक वेडिंग, कॉर्पोरेट इवेंट्स और पर्यटन आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। जिससे ऑफ-सीजन में भी पर्यटकों की आवाजाही बनी रहेगी, होटल उद्योग को लाभ मिले, राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो और रोजगार के नए अवसर पैदा हों।

जयपुर, उदयपुर और जोधपुर के अलावा भी राजस्थान में अनेक शानदार पर्यटन स्थल हैं। जिसमें बीकानेर, जैसलमेर, पुष्कर, शेखावाटी, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, भरतपुर, सवाई माधोपुर, कुंभलगढ़, राजसमंद, बूंदी और कोटा जैसे स्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन कम चर्चित लेकिन बेहद आकर्षक पर्यटन स्थलों को भी समान रूप से बढ़ावा देने की आवश्यकता है। आंध्र प्रदेश पर्यटन मंत्री, कुंडला दुर्गेश ने इस अवसर पर कहा कि, आंध्र प्रदेश पर्यटन को आईडब्ल्यूटीसी का आधिकारिक भागीदार बनने पर गर्व है। हमारा उद्देश्य राज्य के समुद्री तटों, आध्यात्मिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक वेडिंग एवं पर्यटन उद्योग से जोड़ना है। इस तरह के मंच राज्यों के बीच सहयोग और पर्यटन विकास के नए अवसर पैदा करते हैं।

अगर सनातन पर खतरा आएगा तो कोई बच नहीं पाएगा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाराबंकी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि अगर सनातन पर खतरा आएगा तो कोई बच नहीं पाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी जिले में दरियाबाद और रामनगर विधानसभा क्षेत्रों की 542 करोड़ रुपये से अधिक की 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/ शिलान्यास करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, हमारा उज्ज्वल भविष्य सनातन की सुदृढ़ नींव पर निर्भर करेगा। सनातन सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित है।

उन्होंने आगाह किया, ''अगर सनातन पर कोई खतरा आएगा तो कोई बच नहीं पाएगा। ये जो बांटने वाले लोग हैं, सपा और कांग्रेस के नाम पर जितने भी नमूने हैं, याद करना जब आप पर संकट आता है तो इन सबकी बोलती बंद हो जाती है।'' योगी ने आरोप लगाया, ''ये लोग भले कुछ भी बोलें, लेकिन इनका वास्तविक चरित्र सनातन विरोधी है, इनके कार्य जनता के हक और विकास की परियोजनाओं पर डाका डालने जैसे हैं।'' उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर जनता के पैसों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा, ''याद करना पैसा आपका था, लेकिन वह पैसा कब्रिस्तान की

चहारदीवारी पर खर्च होता था तथा महादेवा और अयोध्या समेत विरासत एवं आस्था के स्थानों के लिए पैसा नहीं मिलता था। उसको वे सांप्रदायिक कहते थे।'' उन्होंने सीधे सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा विरासत विरोधी और विकास की धुर विरोधी हैं। इनसे सतर्क रहेंगे तो हमेशा सुरक्षित रहेंगे। योगी ने आरोप लगाते हुए कहा, ''कब्रिस्तान की चहारदीवारी बनाना उनके लिए धर्मनिरपेक्षता का एक मानक बन गया था, लेकिन कांवड़ यात्रा पर रोक, जन्माष्टमी के आयोजन को प्रतिबंधित करना, राम नवमी की शोभायात्रा को रोकना, दुर्गा पूजा के पंडालों को प्रतिबंधित करना, वे धर्मनिरपेक्षता का मानक मानते थे।'' मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा, ''हमें ऐसी धर्मनिरपेक्षता को उखाड़ फेंक कर सनातन की सुदृढ़ भूमि पर एक सुरक्षित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना होगा। एक सुरक्षित भारत के लिए कार्य करना होगा।'' उन्होंने दावा किया, ''जो लोग धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सनातन को अपमानित करते थे, ये वही लोग थे जो एक ओर आपको पर्व और त्योहार पर अराजकता फैला कर अपमानित करते थे और दूसरी तरफ अपने गुर्गों से अवैध वसूली करवाते थे।''

मोदी सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री, युवाओं की मांगें मानी जाएं : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस के बल प्रयोग की निंदा की और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को युवाओं की बातें सुननी चाहिए और उनकी मांगें माननी चाहिए। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। वह इतने युवा विरोधी हैं कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते।'' उन्होंने कहा, 152 पेपर लीक। 7.5 करोड़ छात्र पीड़ित। और सज़ा एक दोषी को भी नहीं। सजा किसे मिली? मेहनती युवाओं को और जब इन बच्चों ने शिक्षा के जायज़ सवाल उठाए – तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत। लीक करने वाले अपराधी आज़ाद और वाजिब मुद्दे उठाने वाले छात्र घसीटे जाते हैं, पीटे जाते हैं।

राहुल गांधी ने वीडियो में दावा किया कि यह सरकार युवाओं को सिर्फ़ नाकाम नहीं कर रही – उन पर टूट पड़ी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने वाले लड़के-लड़की अपराधी नहीं हैं और उनकी मांगें जायज हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि पुलिस ने जो किया है वह पूरी तरह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को युवाओं की मांगें स्वीकार करनी चाहिए।

मैं 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा हूं : प्रधानमंत्री मोदी का राहुल गांधी पर कटाक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल रॉकेट बनाने वाले युवा नवप्रवर्तकों की सराहना की और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह ''56 साल के युवा'' की बात नहीं कर रहे हैं।

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि पिछले एक महीने में देश ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनसे देशवासी गौरवान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और अंतरिक्ष क्षेत्र तक फैली हुई हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साल मानसून सत्र से ठीक पहले एक भारतीय नागरिक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा था और हाल में एक भारतीय युवा स्टार्टअप ने असाधारण उपलब्धि हासिल की। मोदी का इशारा शनिवार को स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा देश के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' के प्रक्षेपण की ओर था। कंपनी ने इस रॉकेट के जरिये कई प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पेलोड को सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में स्थापित किया।

इसके साथ ही भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी ऑर्बिटल प्रक्षेपण क्षमता हासिल करने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में ऐसे गिने-चुने देश ही हैं जहां निजी

कंपनियों ने इस तरह की क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा नवप्रवर्तकों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है और यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

मोदी ने कहा, ''मुझे बताया गया है कि स्काईरूट स्टार्टअप में काम करने वाली टीम की औसत आयु केवल 28 वर्ष है। इन्हीं युवा दिमागों ने यह संभव बनाया है। मैं 56 साल के युवा व्यक्ति की बात नहीं कर रहा हूं; मैं एक ऐसे स्टार्टअप की बात कर रहा हूं जिसकी टीम की औसत आयु केवल 28 साल है और जिसने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत का झंडा गाड़ दिया है।''

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इस साल 19 जून को 56 वर्ष के हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के युवा निश्चित रूप से बधाई के पात्र हैं।

उन्होंने कहा, इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसी उपलब्धियां देश में अपार आत्मविश्वास पैदा करती हैं और दुनिया में एक सम्मानित और भरोसेमंद साझेदार के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करती हैं।

बिहार विधानसभा के पटल पर रखे गए 10 संशोधन विधेयक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि, कराधान, शहरी विकास और कारोबार सुगमता से जुड़े 10 महत्वपूर्ण संशोधन विधेयकों को सदन के पटल पर रखा।

इन विधेयकों में विभिन्न कानूनों में संशोधन के साथ कुछ नए प्रावधान भी प्रस्तावित किए गए हैं। सदन में पेश किए गए विधेयकों में बिहार निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार नर्सेज पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार चिकित्सा (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार कृषि भूमि (गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए सम्परिवर्तन) (निरसन) विधेयक, 2026 शामिल हैं।

राज्यसभा में नौ नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

कर्नाटक से कांग्रेस के पवन खेड़ा ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन के नौ नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। जिन सदस्यों ने उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली वे गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, राजस्थान और पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन शपथ लेने वाले सदस्यों में गुजरात से भाजपा के मुकेशभाई जे. राठवा, कर्नाटक से कांग्रेस के पवन खेड़ा, मध्यप्रदेश से भाजपा के महेश केवट, मेघालय से एनपीपी के जेम्स पांगसांग

कोंगकल संगमा, मिजोरम से खियांग्टे लालल्लुआंगकीमा, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया, पश्चिम बंगाल से भाजपा के प्रकाश चिक बड़ाइक, सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय शामिल हैं।

खेड़ा ने अंग्रेजी में, मुकेश भाई जे राठवा, महेश केवट, जेम्स पगसाग कोंकल संगमा, डॉ सतीश पूनिया और प्रकाश चिक बड़ाइक ने हिन्दी में और सुष्मिता देव तथा सुखेंदु शेखर राय ने बांग्ला में शपथ ली। बजट सत्र संपन्न होने और मानसून सत्र शुरू होने से पहले निर्वाचित हुए कुछ अन्य सदस्य अंतर-सत्र अवधि के दौरान सभापति के कक्ष में शपथ ले चुके हैं।

पश्चिम बंगाल में सभी सरकारी पत्राचार बांग्ला भाषा में होंगे : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार एक सितंबर से सभी आधिकारिक पत्राचार बांग्ला भाषा में करेगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें लिखे एक पत्र में राज्य प्रशासन के हर स्तर पर बांग्ला भाषा के व्यापक उपयोग के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''एक सितंबर, 2026 से राज्य सरकार के हर स्तर पर बांग्ला भाषा का

उपयोग अनिवार्य होगा।'' उन्होंने कहा, ''हम केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के साथ होने वाले सभी आधिकारिक पत्राचार में बांग्ला भाषा का इस्तेमाल करेंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के साथ पत्राचार बांग्ला के साथ-साथ हिंदी में भी किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के अपने तीन दिवसीय दौरे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें बांग्ला भाषा में एक पत्र लिखा था। उन्होंने बताया कि उस पत्र में शाह ने कहा था कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का दृढ़ विश्वास था कि भारतीय भाषाओं को प्रशासन, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में उचित स्थान मिलना चाहिए।

इससे एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री ने यहां 'शब्द संग्रहालय' का उद्घाटन किया था। इस अवसर पर उन्होंने देश की भाषाई विविधता को संरक्षित कर उसकी सभ्यतागत पहचान को सुरक्षित रखने के लिए मातृभाषा के अलावा कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा सीखने की आवश्यकता पर जोर दिया था।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, बचाव अभियान के लिए सेना तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के कई हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है तथा ऊपरी असम के कई जिलों में बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए भारतीय सेना को तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल के चार सहयोगी मौके पर मौजूद हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। सीएमओ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिवसागर में अब तक एसडीआरएफ और अग्निशमन एवं आपात सेवा कर्मियों ने 510 लोगों को सुरक्षित बचाया है। दुर्गम इलाकों तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त नौकाएं और सेना के हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं।''

मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि चराइदेव में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और भारतीय सेना की टीम तैनात की गई हैं तथा प्रभावित लोगों की सुरक्षा और सहायता के लिए राहत उपाय किए जा रहे हैं। इससे पहले रविवार रात शर्मा ने कहा था कि राज्य सरकार ने बाढ़ प्रभावित कई जिलों में स्थानीय प्रशासन की मदद के लिए सेना और वायुसेना को तैयार रहने का अनुरोध किया है। सीएमओ ने कहा कि जोरहाट, चराइदेव और शिवसागर के

संवेदनशील इलाकों में बाढ़ नियंत्रण कार्य जारी हैं। दिक्खो नदी के तटबंध पर रेत से भरी बोरियां लगाई जा रही हैं, दिसांग नदी के किनारे मजबूती के लिए रेत के बैग का इस्तेमाल किया जा रहा है और नोराकोंवर बैलुंग गांव में झांजी तटबंध पर भी बाढ़ रोधी कार्य जारी है। इसने बताया कि झांजी नदी का जलस्तर घट रहा है और सुबह की तुलना में इसमें 0.04 मीटर की कमी दर्ज की गई है। सीएमओ ने कहा कि शिवसागर जल संसाधन संभाग के तहत हाथीघुली ग्राम पंचायत के नोराकोंवर बैलुंग गांव में झांजी तटबंध के दाहिने किनारे के कमजोर हिस्से को मजबूत करने का काम चल रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई अभूतपूर्व बारिश ने शिवसागर और आसपास के जिलों में बाढ़ की स्थिति को और गंभीर बना दिया है। उन्होंने कहा, ''हम प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बचाव कार्य जारी है और राहत प्रयासों में तेजी सुनिश्चित करने के लिए मौके पर मौजूद मंत्रियों की टीम इसकी निगरानी कर रही है।'' शर्मा ने रविवार को अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों अजंता नियोग, बिमल बोरा, केशब महंत और सुशांत बोरगोहेन को प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी करने और प्रत्येक प्रभावित परिवार को समय पर सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम मंत्री बिमल बोरा ने बताया कि वह सोमवार सुबह शिवसागर पहुंचे और शिवसागर तथा चराइदेव के जिला आयुक्तों के साथ बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की, जहां बचाव अभियान तेजी से चल रहा है। एएसडीएमए ने बताया कि चराइदेव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, जोरहाट, शिवसागर, तिनसुकिया और उदलगुड़ी जिलों में 57,100 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

धनुष, ममूटी ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने का जश्न मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने वाले अभिनेता धनुष और ममूटी ने 'ओम' के सेट पर अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाया। ममूटी ने रविवार को एक्स' पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें दोनों सितारे केक काटते नजर आ रहे हैं। इस मौके पर फिल्म निर्देशक राजकुमार पेरियासामी और संपादक आर कलैवणन भी मौजूद थे।

ममूटी ने लिखा, फिल्म 'ओम' के सेट पर धनुष, राजकुमार पेरियासामी और आर कलैवणन के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने का एक छोटा-सा जश्न मनाया। सभी के प्यार और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। धनुष ने 'रायन' के लिए सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। बतौर निर्देशक यह उनका पहला राष्ट्रीय पुरस्कार है। इससे पहले वह 2011 और 2021 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल कर चुके हैं। धनुष को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में कैप्टन मिलर' में उनके अभिनय के लिए विशेष उल्लेख (सर्वश्रेष्ठ अभिनेता) भी मिला। वहीं, ममूटी ने हॉरर थ्रिलर फिल्म 'ब्रमायुगम' में अपने शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। उन्होंने इससे पहले 1990, 1994 और 1999 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए थे।

क्या राम मंदिर 'चढ़ावा चोरी' की जांच के लिए एसआईटी बनाई जा सकती है : न्यायालय ने उप्र से पूछा

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार से अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चढ़ावे में कथित हेराफेरी की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की संभावना के बारे में जानकारी मांगी और याचिकाकर्ताओं को चेतावनी दी कि वे इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करें। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से निर्देश लेने को कहा कि क्या स्थानीय पुलिस के बजाय एसआईटी को इस मामले की जांच की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, जिसने प्राथमिकी दर्ज होने से पहले पूरे मामले की जांच की थी।

सीजेआई ने कहा, ''बस एक बात का ध्यान रखें। कृपया इस मामले को राजनीतिक रंग न दें। अदालतें राजनीति की जगह नहीं हैं। यह अपराध का एक साधारण मामला है। हम (यहां) सिर्फ यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि इसकी ठीक से जांच हो।'' शुरुआत में, मेहता ने कहा कि पहले के आदेश का पालन करते हुए राज्य सरकार ने स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है। उन्होंने कहा, जांच चल रही है। आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मैं ज्यादा जानकारी नहीं दे सकता। जब पूछा गया कि क्या एसआईटी इस मामले की जांच कर रही है, तो मेहता ने कहा, एसआईटी का गठन सच्चाई का पता लगाने के लिए किया गया था। अब पुलिस इसकी जांच कर रही है।

बंगाल में पुलिस गोलीकांड-1993 की जांच रिपोर्ट विधानसभा में पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने वर्ष 1993 में एक रैली पर पुलिस गोलीबारी की जांच से संबंधित आयोग की रिपोर्ट सोमवार को विधानसभा में पेश करते हुए पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर इस घटना का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस की 21 जुलाई की वार्षिक रैली से एक दिन पहले न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुशांत चटर्जी आयोग की रिपोर्ट सदन में रखी। यह रैली तीन दशक पहले हुई इस घटना में मारे गए लोगों की स्मृति में आयोजित की जाती है। शुभेंदु ने कहा कि राज्य सरकार को वर्ष 2024 में रिपोर्ट मिलने के बावजूद तत्कालीन तृणमूल सरकार ने आयोग की कई महत्वपूर्ण सिफारिशों पर अमल नहीं किया।

उन्होंने कहा, ''आयोग ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 25 लाख रुपये और प्रत्येक घायल को पांच लाख रुपये मुआवजा देने की सिफारिश की थी। लेकिन पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार ने न तो इन सिफारिशों को लागू किया और न ही मुआवजा दिया।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने कई वर्षों तक इस घटना का राजनीतिक लाभ उठाया, लेकिन पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। बंगाल में 21 जुलाई के 'शहीद दिवस' की शुरुआत 21 जुलाई, 1993 की उस घटना से जुड़ी है, जब वाम मोर्चा शासन के दौरान ममता बनर्जी के नेतृत्व में एस्प्लेनेड में निकाली गई रैली पर पुलिस की गोलीबारी में युवा कांग्रेस के 13 कार्यकर्ताओं की मौत हो गई थी। कांग्रेस ने इन कार्यकर्ताओं की स्मृति में इस दिन को 'शहीद दिवस' घोषित किया था। बाद में ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर 1990 के दशक के उत्तरार्ध में तृणमूल कांग्रेस का गठन किया। इसके बाद उनकी पार्टी ने धीरे-धीरे इस वार्षिक आयोजन की जिम्मेदारी संभाल ली और प्रत्येक वर्ष धर्मतला में विशाल रैली आयोजित करने लगी।

शुभेंदु ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, 21 जुलाई की घटना का राजनीतिक इस्तेमाल किया गया। कई लोगों ने इसी के आधार पर अपना राजनीतिक और व्यक्तिगत भविष्य बनाया। जांच आयोग के निष्कर्षों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आयोग ने पाया है कि युवा कांग्रेस की रैली पर पुलिस गोलीबारी की कोई ऐसी स्थिति नहीं थी, जो आवश्यक बनती हो। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किन परिस्थितियों में बल प्रयोग किया गया। मुख्यमंत्री ने आयोग के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों का भी उल्लेख करते हुए दावा किया कि पूर्व नेता प्रतिपक्ष पंकज बनर्जी (जिनका नाम गवाह के रूप में दर्ज था) आयोग के समक्ष पेश नहीं हुए। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया था कि तत्कालीन गृह सचिव मनीष गुप्ता इस घटना के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार थे।

राष्ट्रमंडल खेलों में पैरा खिलाड़ी कम से कम पांच पदक जीतेंगे : देवेंद्र झाझड़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पैरालंपिक खेलों के दो बार के स्वर्ण पदक विजेता और भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया ने सोमवार को कहा कि पैरा खिलाड़ी इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में 'अबकी बार, पांच पार' के लक्ष्य के साथ उतरेंगे और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कम से कम पांच पदक जीतेंगे।

झाझड़िया का यह दावा इसलिए भी काफी मायने रखता है क्योंकि 2002 में राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण के बाद से भारतीय पैरा खिलाड़ी अब तक सिर्फ सात पदक जीत पाए हैं जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। खर्चों में कटौती करने के लिए हस बार राष्ट्रमंडल खेलों की पैरा स्पर्धाओं में सिर्फ छह खेलों को शामिल किया है जिसमें भारत ने पांच खेलों में 28 खिलाड़ियों का

दल उतारा है। झाझड़िया से जब यह खिलाड़ियों के विदाई समारोह के दौरान पदक की संभावनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमारे खिलाड़ियों की तैयारी काफी अच्छी है और यह तय है कि हम कम से कम पांच से छह पदक जीतेंगे। हमारी टीम बहुत अच्छी है। हमारा लक्ष्य है कि हमारे पदकों की संख्या पांच से अधिक हो। हम छह, सात या आठ पदक भी जीत सकते हैं लेकिन हमारा लक्ष्य कम से कम पांच पदक जीता है। हमारा नारा है, ''अबकी बार पांच पार।'' झाझड़िया ने कहा कि अपने दावे को मजबूती देते हुए कहा कि इस बार खिलाड़ी मनोवैज्ञानिक रूप से काफी मजबूत हैं जो बड़ी प्रतियोगिताओं में काफी महत्वपूर्ण साबित होता है।

उन्होंने कहा, ''पैरा खिलाड़ियों की तैयारी बहुत अच्छी है और पहली बार मैं देख रहा हूं कि खिलाड़ियों की तैयारी मनोवैज्ञानिक रूप से काफी अच्छी है। खिलाड़ियों के पास सरकार का भरोसा है और महासंघ भी उनके लिए काम कर रहे हैं। खिलाड़ी शारीरिक रूप से तो फिट होते ही हैं लेकिन इस बार मानसिक रूप से भी काफी मजबूत हैं।''

सुविचार

वृक्ष की तरह बनिए, जो फल देकर झुकना जानता है। विनम्रता महानता की पहचान है, अहंकार से बचें, जीवन सुंदर बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रहित को समर्पित हो मानसून सत्र

संसद के मानसून सत्र का आगाज बहुत हंगामे के साथ हुआ है। पहले ही दिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच खींचतान शुरू हो गई। इस पर पूरे देश की नजर है। सांसद किसी भी पार्टी के हों, उनकी कोशिश होनी चाहिए कि यह सत्र उत्पादक हो। इससे देश की प्रगति को बढ़ावा मिलना चाहिए। सत्ता पक्ष को ज्यादा विनम्र, धैर्यवान और सहिष्णु होना चाहिए। वहीं, विपक्ष को हर बात में हंगामा खड़ा करने के मौके ढूंढ़ने के बजाय रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। संसद के सत्र पर देश के करोड़ों रुपए खर्च होते हैं। सांसदों को हर मुद्दे की गंभीरता समझते हुए पूरी लगन से भाग लेना चाहिए। संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए बहस होनी चाहिए। सभी पार्टियां इस बात का खास ध्यान रखें कि उनके मुद्दों, सवालों और जवाबों में तथ्यों का समावेश हो। प्रश्नकाल और शून्यकाल में किसी तरह की बाधा न डालें। राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के दौरान विभिन्न बिंदुओं को लेकर असहमति जताना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन अपना पूरा समय असहमति जताने में ही खर्च न करें। राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। नीट पेपरलीक और एनटीए की जवाबदेही जैसे ज्वलंत मुद्दे दलगत राजनीति की भेंट न चढ़ जाएं। युवाओं में बढ़ती हताशा चिंता का बड़ा विषय है। सांसद आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर इनके समाधान तलाशें। युवाओं के दिलो-दिमाग में आक्रोश घर करता जा रहा है। पढ़े-लिखे बेरोजगारों की भीड़ बढ़ती जा रही है। सीजेपी जैसे संगठन उनके आक्रोश को भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। समाधान क्या होना चाहिए, यह उन्हें भी मालूम नहीं है। सरकार को युवाओं को विश्वास दिलाना होगा कि पेपरलीक रोकने के लिए सुनिश्चित तैयारी की जाएगी। इसके लिए तकनीकी सुधार, सुरक्षा प्रोटोकॉल, संस्थागत सुधार, कानूनी उपाय और छात्र-केंद्रित नीतियों पर मुहर लगनी चाहिए।

लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण के संबंध में दक्षिणी राज्यों की कुछ चिंताएं हैं। सरकार को तार्किक ढंग से जवाब देकर उनकी चिंताओं को दूर करना होगा। महंगाई का मुद्दा हमेशा चर्चा में रहता है। इस बार भी रहेगा।

इनके अलावा भी कई मुद्दे हैं, जिन पर विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण के संबंध में दक्षिणी राज्यों की कुछ चिंताएं हैं। सरकार को तार्किक ढंग से जवाब देकर उनकी चिंताओं को दूर करना होगा। महंगाई का मुद्दा हमेशा चर्चा में रहता है। इस बार भी रहेगा। पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण और वाहनों पर उसके असर का मुद्दा समाज से लेकर सोशल मीडिया तक सुर्खियों में है। कहीं अफवाहों का जोर है, कहीं आधे-अधूरे तथ्य पेश कर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। सरकार को इस मुद्दे पर वैज्ञानिक शोध और रिपोर्टों का जिक्र करते हुए जवाब देना चाहिए। इस बार मानसून की बेरुखी के कारण कई जगह सूखे जैसे हालात हैं। फसलों को नुकसान हो रहा है। जलाशय खाली होते जा रहे हैं। अगर पर्याप्त बारिश न हुई तो खाद्यान्न उत्पादन और पेयजल आपूर्ति संबंधी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। इसका क्या समाधान होना चाहिए? भविष्य में ऐसी स्थिति पैदा न हो, इसके लिए कौनसे वैज्ञानिक तौर-तरीके अपनाए जा सकते हैं? इन सवालों पर गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए। श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी की जांच जारी है। विपक्ष इसे आक्रामक ढंग से मुद्दा बना रहा है। बेशक उक्त घटना से करोड़ों रामभक्तों को पीड़ा हुई है। अब चढ़ावा और मंदिर प्रबंधन में पारदर्शिता कैसे आए, इस पर सांसदों को चर्चा करनी चाहिए। केंद्र सरकार ने पश्चिमी एशिया में भीषण अशांति के बावजूद ईंधन की किल्लत पैदा नहीं होने दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के बाद लोगों ने राष्ट्रहित में जिस तरह एकजुटता दिखाई, उसके लिए सबका अभिनंदन होना चाहिए। भविष्य में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करने के लिए असरदार उपायों का जिक्र जरूर होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की पत्नी और मातृत्व की मिसाल श्रीमती चेन्नम्मा का अंतिम संस्कार आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ हासन जिले के होल नरसीपुरा तालुक के माविनाकेरे में रंगनाथस्वामी पहाड़ी की तलहटी में किया गया।

-डीके शिवकुमार

राजस्थान की डबल इंजन सरकार हमारे किसानों की खुशहाली के लिए लगातार काम कर रही है। हमारा राज्य, जो 'श्री अन्न' के उत्पादन में सबसे आगे है, अब आधुनिक टेक्नोलॉजी और वैज्ञानिक इनोवेशन के साथ कृषि क्षेत्र में विकास की एक नई कहानी लिख रहा है।

-भजनलाल शर्मा

दिल्ली में स्टूडेंटस पर लाठीचार्ज करना और आंसू गैस के गोले दागना पूरी तरह से गलत है। मैं इस हरकत की कड़ी निंदा करता हूं। पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर सरकार को स्टूडेंटस की मांगों को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनसे बातचीत करनी चाहिए, न कि बल प्रयोग करना चाहिए।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

सपने के लिए संकल्प

एक बार वॉल्ट डिज़्नी अपने बनने वाले डिज़्नीलैंड का निर्माण कार्य देख रहे थे। एक पत्रकार ने उनसे पूछा, 'इतनी बड़ी परियोजना पर करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं। यदि यह असफल हो गई तो?' वॉल्ट डिज़्नी मुस्कराए और बोले, 'जो लोग केवल असफलता के डर से सपने देखना छोड़ देते हैं, वे कभी कुछ नया नहीं कर पाते। मैंने पहले अपने सपने को अपनी कल्पना में साकार होते देखा है, अब उसे वास्तविकता में बदलना केवल समय की बात है।' वर्षों की मेहनत के बाद डिज़्नीलैंड दुनिया के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल हो गया। लाखों लोग वहां पहुंचने लगे और वॉल्ट डिज़्नी का सपना पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बन गया।

सामयिक

बलूचिस्तान में स्वघोषित आजादी

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं, जिसमें बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का आपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे है। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाक सेना ने बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़कों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। पाक सेना का यह भी आरोप है कि अफगानिस्तान बीएलए को विद्रोही बलूचों ने करीब 85 प्रतिशत बलूचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाक आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यस्था की रीढ़ हैं। बलूचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलूचिस्तान को नए देष के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाक के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलूच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलूचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं।

प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलूच को बलूच के लोगों के अधिकारों की वकालात के लिए जाने जाते हैं। बलूचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलूच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलूच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलूचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है। बलूचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देष में बंकरों में छिपे हैं।

बलूचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद कर किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलूच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाषाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलूचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलूच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए। साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलूचिस्तान के सरकारी प्रतिश्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई।

बीएलए बलूचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलूचिस्तान को बलूचों की इच्छा के बिना बंदूक की जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतएव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलूचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी। जिसमें करीब 150 आत्मघाती दस्ते षामिल थे। सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलूचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं। इसीलिए वे बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे। 26 अगस्त 2006 को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उनकी हत्या कर दी थी। तभी से यह संगठन पाक सेना से लोहा ले रहा है। वर्तमान में बलूच अलगाववादी और तालिबान के बीच निरंतर निकटता बढ़ रही है। वैसे भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। पाक सरकार ने भी स्वीकार किया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ही बलूच लड़ाकों को प्रषिक्षित कर रहा है। बलूचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी बीएलए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। इस सच्चाई को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकारा है।

पाक की आजादी के साथ बलूचिस्तान का मुद्दा जुड़ा है। पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलूचिस्तान का है। लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं, पाक की कुल आबादी में इनकी छह प्रतिषत की भागीदारी है। इसका कुल क्षेत्रफल 3,47,190 वर्ग किमी है। यहां हिंदू, सिख और ईसाई भी रहते हैं। इनमें आपस में खूब भाईचारा है। भगवान शिव की पत्नी सती का हिंगलाज मंदिर इसी बलूच क्षेत्र में आता है। अनेक मुसलमान भी देवी सती की पूजा-अर्चना करते हैं। क्योंकि ये धर्मांतरित है। यहां से कभी सांप्रदायिक दंगों की खबरें नहीं आती हैं। 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आ गए। इनमें सबसे प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। पीओके और बलूचिस्तान पाक के लिए बहिष्कृत क्षेत्र हैं। पीओके की जमीन का इस्तेमाल वह, जहां भारत के खिलाफ शिविर लगाकर गरीब व लाचार मुस्लिम किशोरों को आतंकवादी बनाने का प्रशिक्षण देता रहा है, वहीं बलूचिस्तान की भूमि से खनिज व तेल का दोहन कर अपनी आर्थिक स्थिति बहाल किए हुए है। यहां सोना, तांबा, कोयला और प्राकृतिक गैसों के बड़े भंडार है, लेकिन इनसे कमाई का बड़ा हिस्सा पाक सरकार, सेना और चीनी कंपनियां हथिया लेती हैं। इस कारण लोगों का गुस्सा उबाल पर है।

बलूचिस्तान कीं कलात रियासत ने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता की घोशणा करने के बाद 27 मार्च 1948 को पाकिस्तान में शामिल हो गया था। लेकिन बलूचिस्तान ने पाक में विलय को कभी स्वीकार नहीं किया। लिहाजा यहां अलगाव की आग निरंतर बनी रही है। नतीजतन 2001 में यहां 50 हजार लोगों की हत्या पाक सेना ने कर दी थी। इसके बाद 2006 में अत्याचार के विरुद्ध आवाज बुलंद करने वाले 20 हजार सामाजिक कार्यकर्ताओं को अगवा कर लिया गया था, जिनका आज तक पता नहीं है। 2015 में 157 लोगों के अंग-भंग किए गए थे।

फिलहाल पुलिस ने जाने-माने एक्टिविस्ट बाबा जान को भी हिरासत में लिया हुआ है। पिछले 20 साल से जारी दमन की इस सूची का खुलासा एक अमेरिकी संस्था ने किया है। वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलूचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलूचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा? पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलूचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने ?

नजरिया

बदलनी होगी पहाड़ों की तीर्थयात्रा की संस्कृति

प्रो. आरके जैन अरिजीत

अमरनाथ यात्रा का भारी वर्षा और लगातार भूस्खलन के कारण थम जाना महज़ प्रशासनिक विवशता नहीं, बल्कि हिमालय का वह स्पष्ट संदेश है जिसे अब अनसुना करने की गुंजाइश नहीं बची। सदियों से श्रद्धालु बर्फ, दुर्गम चढ़ाइयों और कठिन रास्तों को तपस्या की तरह पार कर बाबा बर्फानी के दरबार तक पहुँचते रहे हैं, लेकिन इस बार मार्ग किसी सरकारी आदेश से नहीं, स्वयं प्रकृति ने बंद किया है। यह ठहराव आस्था पर विराम नहीं, उसकी रक्षा का आग्रह है। असली प्रश्न यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, यह नहीं; बल्कि यह है कि क्या हम जलवायु की लगातार मिल रही चेतावनियों को अब भी संयोग मानते रहेंगे? जब हिमालय स्वयं अपनी सीमाएँ बता रहा हो, तब उससे टकराना नहीं, उसके संकेतों को समझना ही बुद्धिमानी है। अमरनाथ यात्रा का यह विराम स्पष्ट कर रहा है कि अब तीर्थयात्रा और जलवायु को अलग-अलग खाँचों में रखकर नहीं देखा जा सकता।

अमरनाथ केवल एक गुफा नहीं, भारतीय आस्था की जीवंत चेतना है। लेकिन पिछले दस-पंद्रह वर्षों में हिमालय का स्वभाव तेजी से बदला है। ग्लेशियर सिमट रहे हैं, वर्षा अनिश्चित होती जा रही है और भूस्खलन अब अपवाद नहीं, नई वास्तविकता है। भारतीय मौसम विभाग तथा वैश्विक जलवायु अध्ययनों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र का तापमान राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ रहा है। वर्ष 2026 की घटना पहली चेतावनी नहीं; 2019 और 2022 में भी प्रकृति ने यात्रा के दौरान इसी तरह अपना संकेत दिया था। हर बार यात्रा रुकती है तो केवल श्रद्धालुओं की भावनाएँ ही नहीं, बल्कि घोड़े वालों, पिट्ठुओं, दुकानदारों, होटल व्यवसायियों और स्थानीय परिवहन से जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका भी थम जाती है। स्पष्ट है, यह संकट केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन की भी चुनौती है।

सच यह है कि तीर्थयात्रा का अर्थ अब केवल श्रद्धा की पदयात्रा नहीं रह गया। वह पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच नाज़ुक संतुलन का विषय बन चुकी है। हिमालय जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र पर एक साथ लाखों श्रद्धालुओं का बढ़ता दबाव प्रकृति की वह कीमत वसूल रहा है, जिसका अनुमान लंबे समय तक नहीं लगाया गया। यात्रा मार्गों पर फैलता प्लास्टिक कचरा, मानवीय अपशिष्ट, अस्थायी निर्माण और वाहनों का धुआँ पर्यावरण की सहनशक्ति को लगातार क्षीण कर रहे हैं। हिमालयी पर्यावरण अध्ययन संस्थानों ने भी मार्गों पर कई गुना बढ़े कचरे को गंभीर चेतावनी माना है। परिणाम सामने है-ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियाँ अधिक गाद ढो रही हैं और वर्षा का स्वभाव अप्रत्याशित होता जा रहा है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ते ही वही मार्ग, जो आस्था की राह थे, पलभर में संकट की राह बन जाते हैं।

इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए अब क्लाइमेट रेसिलिएंट तीर्थयात्रा नीति केवल एक विकल्प नहीं, समय की अनिवार्य आवश्यकता है। इसमें केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, धार्मिक गुरु, पर्यावरण विशेषज्ञ, मौसम वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय की समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

समाधान अब केवल सद्भावना से नहीं, वैज्ञानिक दूरदृष्टि से निकलेगा। सबसे पहले यात्रा की अवधि और प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या का निर्धारण मौसमीय जोखिम और वैज्ञानिक आकलन के आधार पर किया जाए। जलवायु मॉडलिंग संकेत देती है कि जुलाई-अगस्त के कुछ अत्यधिक संवेदनशील सप्ताह यात्रा-मुक्त रखे जा सकते हैं। इससे हिमालय पर पड़ने वाला दबाव घटेगा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ऐसे वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएँ जिनसे पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़े। हेलीकॉप्टर सेवा बनी रहे, लेकिन सीमित दायरे में और प्राथमिकता केवल बुजुर्गों, दिव्यांगों तथा विशेष परिस्थितियों वाले श्रद्धालुओं को मिले। तीर्थयात्रा का उद्देश्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि सुरक्षा, संतुलन और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व होना चाहिए।

तीर्थयात्रा का हर कदम पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का भी संकल्प बने। प्रत्येक श्रद्धालु के लिए बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग अनिवार्य हो, प्लास्टिक पर कठोर नियंत्रण लागू किया जाए और साथ ले जाया गया कचरा वापस लाना यात्रा का अनिवार्य नियम बने। डिजिटल ट्रैकिंग से भीड़ का वास्तविक समय में प्रबंधन हो, ताकि किसी भी मार्ग पर क्षमता से अधिक दबाव न पड़े। इससे दुर्घटनाओं की आशंका घटेगी और बदलते मौसम के अनुरूप प्रशासन समय रहते निर्णय ले सकेगा। तकनीक यदि भीड़ जुटाने का साधन बन सकती है, तो प्रकृति की रक्षा और तीर्थयात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने का माध्यम भी बन सकती है।

इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए अब क्लाइमेट रेसिलिएंट तीर्थयात्रा नीति केवल एक विकल्प नहीं, समय की अनिवार्य आवश्यकता है। इसमें केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, धार्मिक गुरु, पर्यावरण विशेषज्ञ, मौसम वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय की समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए। वर्चुअल या डिजिटल दर्शन की व्यवस्था भी इतनी सशक्त हो कि प्रतिकूल मौसम, स्वास्थ्य अथवा आयु के कारण यात्रा न कर पाने वाले श्रद्धालुओं की आस्था भी निर्बाध बनी रहे। साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में व्यापक वृक्षारोपण, ग्लेशियर संरक्षण परियोजनाओं और सस्टेनेबल पर्यटन मॉडल को प्राथमिकता मिले। इससे यात्रा अधिक सुरक्षित होगी, प्रकृति का संतुलन सुदृढ़ होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक आधार मिलेगा। भविष्य उसी का होगा, जहाँ संरक्षण और विकास प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयात्री बनें। सबसे बड़ा बदलाव व्यवस्थाओं से पहले हमारी सोच में आना होगा। अमरनाथ केवल बर्फ से बनी एक गुफा नहीं, हिमालय की सजीव चेतना का प्रतीक है। उसकी बर्फ, नदियाँ, वन और पर्वत केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं, हमारे अस्तित्व की आधारशिला हैं। यदि इन्हें बचाने में हम चूक गए, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल अमरनाथ यात्रा ही नहीं, हिमालय की आज की विराटता को भी इतिहास के पन्नों में तलाशेंगी। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई है; उसकी दस्तक हमारे खेतों, शहरों और तीर्थों तक पहुँच चुकी है। इसलिए तीर्थयात्रा को जलवायु-अनुकूल बनाना आस्था पर अंकुश नहीं, उसे आने वाले समय तक अक्षुण्ण रखने का दायित्व है। आखिर प्रकृति ही सबसे बड़ा तीर्थ है; यदि वही संकट में पड़ गई, तो शेष सभी तीर्थ केवल स्मृतियों के स्मारक बनकर रह जाएंगे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मेस्सी का सपना टूटा, टोरेस के गोल से अर्जेंटीना को हराकर विश्व चैम्पियन बना स्पेन

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के न्यू यॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम में '2026 फीफा विश्व कप' के स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेले गए फाइनल मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान स्पेन के कप्तान रोड्रिगो हर्नांडिज़ को बधाई देते हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईस्ट रदरफोर्ड/एपी। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन के अभेद्य रक्षण में लियोनेल मेस्सी भी सेंध नहीं लगा सके और लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का उनका सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में गोल करके स्पेन को 16 साल बाद विश्व चैम्पियन बना दिया। इस विश्व कप का उनका पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक मेस्सी को आंसुओं के साथ विदाई। टोरेस ने जीत के बाद स्पेन के लोगों का जिक्र करते हुए कहा, ''यह गोल 47 मिलियन लोगों ने किया था।''

टोरेस स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में यह गोल दागकर स्पेन को 1.0 से जीत दिलाई। उन्होंने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बायें पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है। टूर्नामेंट में आठ मैचों में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन ने चैम्पियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। वहीं पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। उपविजेता का पदक लेने के बाद मेस्सी अपने आंसू नहीं रोक सके और दर्शक दीर्घा में बैठे अर्जेंटीना के समर्थकों की ओर देखकर कहा, ''मुझे दुख हो रहा है। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो उन्होंने बेहतर खेला। हमने पूरी कोशिश की थी।'' निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था।

स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरूष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। स्कोर से भले ही लगे कि यह मैच कांटे का था लेकिन असलियत यह है कि पूरे मैच में स्पेन का दबदबा था। अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में मानो अर्जेंटीना की टीम जागी लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्पेन अब पिछले 38 मैचों से अपराजेय है जिसमें उसने 29 मैच जीते और नौ ड्रॉ खेले। यह किसी यूरोपीय टीम का अपराजेय रहने का सबसे बड़ा सिलसिला है। इससे पहले इटली ने अक्टूबर 2018 से सितंबर 2021 के बीच 37 मैचों में हार का सामना नहीं किया था।

मेस्सी ने कहा, ''हम हार गए और हम इसे स्वीकार करते हैं। लेकिन इसके यह मायने नहीं है कि हमने अब तक जैसा खेला, उसे भूल जायेंगे। मैं अपने देशवासियों, अपने खिलाड़ियों और देश को धन्यवाद देता हूं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि हमने कोशिश की।'' अर्जेंटीना को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पड़ा जब दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में उन्हें दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया। उन्हें स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबारासी से खतरनाक ढंग से टकराने के कारण कार्ड मिला।

स्पेन ने गोल पर 20 शॉट लगाये जबकि अर्जेंटीना ने पहला संजीदा प्रयास अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में दिखाया। स्पेन ने मैच की पहली दस कार्नर किक में से नौ हासिल की। अर्जेंटीना के लिये उसके गोलकीपर एमिलियानो मार्तिनेज ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया और विश्व कप फाइनल में रिकॉर्ड 12 शॉट बचाये। मेस्सी ने आखिरी सीटी बजने से चार मिनट पहले कॉर्नर किक ली और गेंद रिजर्व खिलाड़ी जियुलियानो सिमोन की ओर गई जिन्होंने इसे हवा में उछाला और वह क्रॉसबार के ऊपर से निकल गई। टोरेस ने मैच के बाद कहा , ''जब दूसरी टीम में मेस्सी हो तो आप नर्वस तो होंगे ही। लेकिन हमने एक टीम के रूप में अपना खेल दिखाया, जो हम हमेशा दिखाते आये हैं।'' अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा, ''हम दुखी है लेकिन हमने पूरी कोशिश की। स्पेन की टीम बेहतर थी।'' 39 वर्ष के मेस्सी पहले ही संकेत दे चुके हैं कि यह उनका आखिरी विश्व कप था। मेस्सी के दौर में फुटबॉलप्रेमियों ने मैदान पर चमत्कार होते देखे।

मेस्सी ने 2022 विश्व कप, 2008 बीजिंग ओलंपिक स्वर्ण पदक, 2021 और 2024 कोपा अमेरिका खिताब के साथ 19 साल में 16 बार अर्जेंटीना के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरसकार जीता है। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबानी में 48 टीमों के इस सबसे बड़े विश्व कप का यह 104वां मैच था। इसे देखने के लिये टॉम क्रूज, ब्रैड पिट, जेनिफर हडसन, डेनियल क्रेग, जेनिफर कोनोली जैसे हॉलीवुड सितारे मौजूद थे जबकि काका, जिनेदीन जिदान, डेविड बैकहम, दिदियेर ड्रोग्बा, रोनाल्डो, रोनाल्डिन्हो जैसे दिग्गज पूर्व फुटबॉलर भी दर्शक दीर्घा में थे। मेटलाइफ स्टेडियम के भीतर 80000 दर्शकों के अलावा दुनिया भर में अरबों लोगों ने इसे देखा। और केप वर्दे से पहले ही मैच में गोलरहित ड्रॉ के बाद खिताब तक पहुंची स्पेन ने उन्हें निराश नहीं किया।

विश्व कप के अपने आखिरी मैच में चमक नहीं बिखेर सके मेस्सी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईस्ट रदरफोर्ड/एपी। मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे उनके समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेस्सी लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी अर्जेंटीना। मेस्सी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा। एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेस्सी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी।

अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेस्सी स्पेन

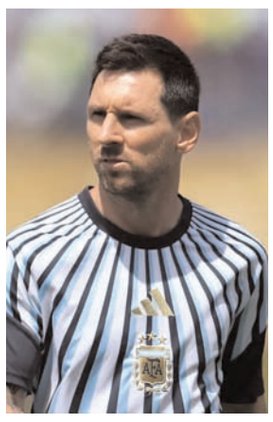

का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे। बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेस्सी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रुख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे। लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे। विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे।

तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेस्सी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं। पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेस्सी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया। स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेस्सी को ढांढस बंधाने आये। मेस्सी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार

एम बाप्पे को लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट'

स्पेन के कप्तान रौड्री को मिला 'गोल्डन बॉल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईस्ट रदरफोर्ड/एपी। फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे लगातार दो विश्व कप में गोल्डन बूट' जीतने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का 'गोल्डन बॉल' पुरस्कार लियोनेल मेस्सी को नहीं बल्कि स्पेन के कप्तान रौड्री को मिला। स्पेन ने अर्जेंटीना का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना तोड़ा और उसके कप्तान रौड्री ने मेस्सी को व्यक्तिगत पुरस्कार से भी वंचित कर दिया। सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार टूर्नामेंट में महज एक गोल गंवाने वाले स्पेन के युनाइ सिमोन ने जीता जबकि स्पेन के ही पाउ कुबारासी ने अपनी ही टीम के लामिन यमाल को पछाड़कर सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। फाइनल में अर्जेंटीना को स्पेन ने एक गोल से हरा दिया और लियोनेल मेस्सी एक भी गोल नहीं कर सके।

मेस्सी को रिकॉर्ड तीसरी बार 'गोल्डन बॉल' मिलने की उम्मीद थी जो दो बार यह पुरस्कार जीत चुके हैं। 39 वर्ष की उम्र में लगातार दूसरी बार अर्जेंटीना को फाइनल तक ले जाने के कारण उनका दावा मजबूत भी था लेकिन स्पेन को 2010 के बाद दूसरा खिताब दिलाने वाले कप्तान रौड्री को चुना गया। मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रौड्री ने टूर्नामेंट में कोई गोल नहीं किया लेकिन मिडफील्ड में पासिंग और गेंद पर नियंत्रण के कारण स्पेन की जीत के सूत्रधार रहे। वह युएफा चैम्पियंस लीग, बलोन डिओर और विश्व कप जीतने

वाले 11वें पुरूष खिलाड़ी बने। एमबाप्पे ने इस विश्व कप में कुल दस गोल किये और चार में सहायक रहे। मेस्सी ने आठ गोल किये और चार में सहायक रहे। विश्व कप के पिछले 12 मैचों में पहली बार मेस्सी गोल या सहायता नहीं कर सके।

फ्रांस की टीम तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड से हार गई थी। मेस्सी ने अपने कैरियर में कभी भी गोल्डन बूट' नहीं जीता हालांकि आखिरी सप्ताह में वह दौड़ में सबसे आगे चल रहे थे।

एमबाप्पे और मेस्सी दोनों के सेमीफाइनल तक आठ आठ गोल थे लेकिन सहायता के मामले में मेस्सी एक गोल से आगे थे। एमबाप्पे ने इंग्लैंड से 4 . 6 से मिली हार में दो गोल दागे। वह जर्मनी के गर्ड म्यूलर (1970) के बाद विश्व कप में दस गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उनके विश्व कप कैरियर में 22 गोल हो गए हैं जबकि मेस्सी के 21 गोल हैं।

एमबाप्पे ने 2022 में कतर में हुए विश्व कप में भी 'गोल्डन बूट' जीता था जब फ्रांस को फाइनल में अर्जेंटीना ने हराया था। 'गोल्डन बॉल', 'गोल्डन ग्लव' और सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये चयन फीफा के तकनीकी अध्ययन समूह द्वारा तैयार की गई सूची में से मीडिया के सदस्यों के वोट के आधार पर किया जाता है।

'द इंडिया स्टोरी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

'द इंडिया स्टोरी: स्लो पॉइज़न इन प्रोग्रेस' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज़ हो गया है, जो कीटनाशक आधारित खेती और उसके समाज पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों जैसे बेहद अहम मुद्दे को सामने लाता है। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत यह फिल्म एक रोमांचक कहानी के जरिए उन सच्चाइयों को उजागर करती है, जो करोड़ों लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी को प्रभावित करती हैं। दमदार ड्रामा, प्रभावशाली अभिनय और सामाजिक संदेश से भरपूर यह ट्रेलर साहस, न्याय और संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी की झलक पेश करता है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी।

फिल्म के निर्देशक चेतन डीके ने ट्रेलर के बारे में कहते हैं, द इंडिया स्टोरी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसी बातचीत की शुरुआत है, जो आज बेहद ज़रूरी है। इस कहानी के माध्यम से हमने उस समस्या पर रोशनी डालने की कोशिश की है, जो चुपचाप हर घर को प्रभावित कर रही है। ट्रेलर सच्चाई, साहस और संघर्ष की इस ताकतवर यात्रा की एक झलक है। हमें उम्मीद है कि यह दर्शकों को सोचने, सवाल उठाने और अपने आसपास की हकीकत को समझने के लिए प्रेरित करेगा।इसके अलावा काजल अग्रवाल ने फिल्म को लेकर कहा, द इंडिया स्टोरी का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अर्थपूर्ण अनुभव रहा। मेरा किरदार हर मुश्किल के बावजूद सच का साथ देता है और यही इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है। मुझे उम्मीद है कि ट्रेलर दर्शकों से जुड़ाव बनाएगा और उन्हें इस कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित करेगा।

इसी के साथ श्रेयस तलपड़े ने रिलीज़ हुए इस दमदार ट्रेलर के बारे में कहा, इस ट्रेलर में द इंडिया स्टोरी का भावनात्मक पक्ष पूरी मजबूती से सामने आता है। यह एक आम इंसान की असाधारण चुनौती के खिलाफ उम्मीद और हौसले के साथ लड़ी गई लड़ाई की कहानी है। मुझे विश्वास है कि दर्शक इसकी भावनाओं और संदेश से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करेंगे और 24 जुलाई को सिनेमाघरों में इस फिल्म का अनुभव लेने के लिए उत्साहित होंगे। फिल्म के सह-निर्माताओं में स्वाति विनायक सैंदाने, अनीता जाधव, विनायक सैंदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी शामिल हैं। तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आज़मी और साउंड डिज़ाइनर अनमोल भावे शामिल हैं।

फीफा के प्रमुख इन्फेंटिनो ने विश्व कप के दौरान लगभग 115 घंटे विमान में बिताए

न्यूयॉर्क/एपी। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने रविवार को समाप्त हुए विश्व कप के दौरान लगभग 60000 मील की दूरी तय की और इस दौरान लगभग 115 घंटे विमान में बिताए। इन्फेंटिनो ने अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेले गए विश्व कप के दौरान तीन देशों के 16 शहरों का दौरा किया। उनकी यह यात्रा आखिर में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त हुई। इन्फेंटिनो ने टूर्नामेंट के दौरान विश्व कप के 44 मैच देखे। उन्होंने विश्व कप के सभी 16 स्टेडियमों में कम से कम एक मैच जरूर देखा। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में उन्होंने सर्वाधिक पांच मैच देखे। फीफा प्रमुख ने 13 दिन दो दो मैच देखे और वह भी ऐसे स्टेडियमों में जो सैकड़ों मील दूर स्थित थे। इस बीच उनके विमान ने 21 हवाई अड्डों से उड़ान भरी या उनमें उतरा। सेमीफाइनल तक उनके विमान ने 23 बार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की।

इन्फेंटिनो ने इस दौरान केवल मैच देखने के लिए एक शहर से दूसरे शहर जाने में 59,281 मील (95,403 किलोमीटर) की दूरी तय की। इनमें से 26 जून को 5,772 मील (9,289 किलोमीटर) तय की गई दूरी भी शामिल है। इसकी शुरुआत मियामी से डलास की सुबह की उड़ान से हुई। वहां से विमान सिएटल गया जहां इन्फेंटिनो ने मिस्र और ईरान का मैच देखा। उनका विमान उसी रात सिएटल से रवाना हुआ और अगली सुबह मियामी पहुंचा।

उर्वशी रौतेला की टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हाल ही में 'विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल' में हॉलीवुड स्टार टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात की। अभिनेत्री ने इस मुलाकात का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने और हॉलीवुड स्टार ने सिनेमा के बारे में काफी दिलचस्प बातें कीं। अभिनेत्री ने बताया, 'विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल' में जाना मेरे लिए एक यादगार अनुभवों में से एक था। इटैलियन टेनिस प्लेयर जैनिक सिनर और जर्मन टेनिस प्लेयर अलेक्जेंडर जेवरेव को सबसे ऊंचे लेवल पर मुकाबला करते देखना सच में प्रेरणा देने वाला था। अभिनेत्री ने दोनों खिलाड़ियों के बारे में बात करते हुए बताया, उनके जुनून, अनुशासन और खेल भावना ने सभी को याद दिलाया कि विंबलडन टेनिस का शिखर क्यों बना हुआ है। जैनिक को शानदार जीत और अलेक्जेंडर को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई।

अभिनेत्री ने बातचीत में जोड़ा कि टॉम हिडलेस्टन से मिलकर यह दिन और भी यादगार बन गया। उन्होंने कहा, हमने पारंपरिक विंबलडन स्ट्रॉबेरी और क्रीम का मजा लेते हुए सिनेमा के बारे में बहुत अच्छी बातचीत की।

मैंने हमेशा उनके काम की तारीफ की है, खासकर 'लोकी' का उनका किरदार और उन्हें

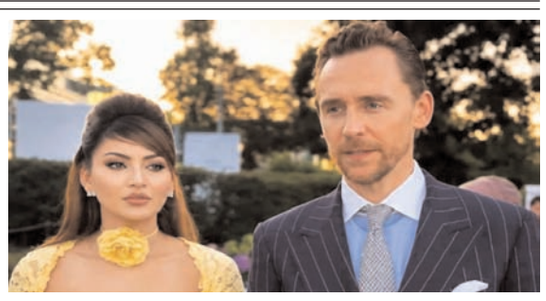

कैरेक्टर के विकास, उनके क्रिएटिव प्रोसेस और हर रोल के प्रति उनके डेडिकेशन के बारे में बोलते हुए सुनना बहुत दिलचस्प था।अभिनेत्री ने बताया, हमने मार्वल के अलावा उनके कुछ बेहतरीन कामों पर भी बात की, जिसमें द नाइट मैनेजर, क्रिमसन पीक, और उनके मशहूर थिएटर परफॉर्मेंस शामिल हैं।

मनोज बने बीकानेर एसोसिएशन के अध्यक्ष, नवरतन बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बीकानेर डिस्ट्रिक्ट जैन एसोसिएशन चेन्नई की 30वीं वार्षिक साधारण सभा मद्रास हायर परचेस हॉल में आयोजित हुई। अध्यक्ष संदीप गोलछा ने स्वागत किया। मंत्री सुशील कुमार पुगलिया ने गतवर्ष की कार्यवाही का वाचन किया एवं कार्यों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष राजेश गेलडा ने वर्षभर का आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। महिला प्रकाष्ठ संयोजिका किरण बैद ने वार्षिक प्रतिवेदन एवं पर्यवेक्षक भीकमचंद लुणावत ने वर्ष भर का आय-व्यय ब्यौरा दिया। सुशील कुमार कोचर को पुनः लेखा अंकेक्षक मनोनीत किया।

चुनाव अधिकारी प्रकाशचंद्र बोथरा ने बताया कि नामांकन पत्रों में 15 नामांकन पत्र मान्य पाए गए। नए सत्र के लिए अध्यक्ष के लिए मनोज कुमार फुलफगर का नाम प्रस्तावित किया जिसे सभी ने अनुमोदित किया। अध्यक्ष ने नए पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष निलेशकुमार बैद, हनुमानमल बुच्चा, भीखमचंद सुखलेचा एवं हनुमान सुखलेचा, मंत्री नवरतन पुगलिया, सहमंत्री राजेशकुमार संचेती एवं राजेश कुमार सांड, कोषाध्यक्ष मनोजकुमार बैद, सहकोषाध्यक्ष माणकचन्द मालु एवं कार्यसमिति सदस्य संदीप गोलछा, सुशीलकुमार पुगलिया, राजेश गेलडा, भीकमचंद लुणावत, प्रकाशचंद्र बोथरा, अभयकुमार सेठिया, सुमति कोचर, प्रवीण मालू, कमल छल्लानी, नवरतन सेठिया, सुरेशकुमार सुराणा एवं संतोष सेठिया नामों की घोषणा की। नए अध्यक्ष ने निवर्तमान कमेटी को सफल कार्यकाल की बधाई दी।

संचालन मंत्री सुशीलकुमार पुगलिया ने किया। निलेशकुमार बैद ने धन्यवाद दिया।

अभिव्यक्ति साहित्य समूह ने आयोजित किए अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 'अभिव्यक्ति साहित्य समूह' ने हाल ही में रोटरी क्लब हॉल में 'सावन के रंग-साहित्य के संग' नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम पूजा और प्रियंका के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शर्मिला सिंघवी ने किया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण विचारोत्तेजक नाटक 'आधुनिक सोच' था। समकालीन समाज पर सोशल मीडिया के गहरे प्रभाव को दर्शाने वाला यह प्रभावशाली नाटक डॉ. प्रियंका जैन द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया था। इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जहाँ प्रतिभागियों ने डिजिटल युग में मानवीय भावनाओं के बदलते स्वरूप पर चर्चा की। इस प्रतियोगिता में उमा प्रजापति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रूपाली प्रभु, राखी अग्रवाल और नीतू अरोड़ा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

साहित्यिक मुहावरों पर आधारित 'हौसी' खेल आयोजित किया गया। सांस्कृतिक खंड में प्रियांश, पायल और वैशाली साहू द्वारा नृत्य प्रदर्शन किए गए। उमा प्रजापति ने नृत्य प्रस्तुति दी। इस दौरान कंचन ने 'अभिव्यक्ति' समूह के दृष्टिकोण और चल रही पहलों के बारे में अपने विचार साझा किए। डॉ. प्रियंका जैन ने धन्यवाद दिया।

जहां प्रेम है, वहीं परमात्मा है : पंन्यास ज्ञानबोधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के वेपेरी स्थित संभवनाथ जिनालय उपाश्रय में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी के शिष्य पंन्यास ज्ञानबोधिविजयजी ने सोमवार के प्रवचन में कहा कि यदि हम चाहते हैं कि प्रभु हमारे हृदय में सदैव विराजमान रहें, तो जीवन में पांच 'पी' प्रेम, प्रसन्नता, पुण्य का बंध, पवित्रता और परिणति को अपनाना अनिवार्य है। इन्हीं पांच सूत्रों से आत्मा का उत्थान और परमात्मा का सान्निध्य संभव होता है।

उन्होंने कहा कि परमात्मा से हमारा रक्त संबंध भले ही न हो, लेकिन वे हर जीव को अपने परिवार का सदस्य बनाने के लिए सदैव तत्पर हैं। इसके लिए आवश्यक है कि हमारे हृदय में निष्कपट प्रेम हो। उन्होंने कहा कि प्रेम में ऐसी शक्ति है जो लोभी को निस्पृह, निराश को उत्साही और दुर्जन को सज्जन बना सकती है। जहां प्रेम नहीं होता, वहां परमात्मा का वास भी नहीं होता। उन्होंने कहा कि साधु-साध्वियां संसार का त्याग इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें देव, गुरु और धर्म के वास्तविक स्वरूप का दर्शन हो जाता है। जब संसार दावानल के

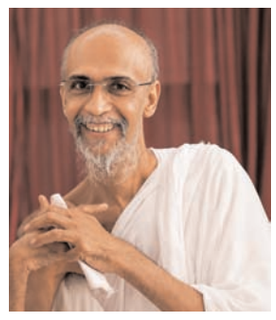

समान प्रतीत होने लगता है, तभी चारित्र का उदय होता है। प्रभु का शासन हमें समस्त जीवों को अपना परिवार मानकर सभी के प्रति प्रेम और मैत्री का भाव रखने की प्रेरणा देता है।पंन्यासश्री ने कहा कि आज का समाज घर में शांति, वैभव और सफलता की तो बात करता है, लेकिन प्रेम की चर्चा नहीं करता। यदि घर में प्रेम आ जाए तो शांति, वैभव और सफलता स्वतः ही उसके पीछे चली आती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राग और प्रेम समान नहीं हैं।

राग बंधन का कारण है, जबकि प्रेम आत्मा को परमात्मा तक पहुंचाने वाला तत्व है। उन्होंने सभी से अपने भीतर यह जांचते रहने का आह्वान किया कि हमारे हृदय में प्रत्येक जीव के प्रति सच्चा प्रेम है या नहीं। प्रेम की शक्ति आत्मा को केवलज्ञान तक पहुंचाने में समर्थ है। उन्होंने प्रसन्नता का महत्व बताते हुए कहा कि मन की प्रसन्नता का कोई पैमाना नहीं होता। जीवन में सुख का रहस्य स्वीकार में है, जबकि दुःख का मूल इंकार है। हमारे पास क्या है, यह महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि जो मिला है उसे प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करना अधिक महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि संसार की यात्रा सफलता पर चलती है, जबकि संयम का मार्ग प्रसन्नता पर आधारित होता है। मुझे जो पसंद है, वह मिल जाए, यह सफलता है और जो मिला है, वही पसंद आ जाए, यही प्रसन्नता है। सफलता के पीछे भागने वाला व्यक्ति अक्सर प्रसन्नता से दूर रह जाता है।

मेला

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के मयनागुड़ी में सोमवार को चल रहे श्रावणी मेले के दौरान मंदिर के सामने देवी पार्वती के रूप में पोज देती एक महिला।

सिक्किम में भूस्खलन के बाद निर्माणाधीन सुरंग में 12 मजदूर फंसे

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के नामची जिले में सोमवार दोपहर को भूस्खलन के कारण एक निर्माणाधीन सड़क सुरंग का प्रवेश द्वार बंद हो गया, जिससे उसके भीतर कम से कम 12 मजदूर फंस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि भूस्खलन के कारण समरदुंग सुरंग के अंदर संदिग्ध गैस रिसाव भी हुआ है। ऐसा माना जा रहा है कि भूस्खलन के कारण भूमिगत परतों या चट्टानों की संरचना में हलचल होने से यह गैस प्राकृतिक रूप से निकल रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अग्निशमन तथा आपातकालीन सेवाओं की टीम बचाव अभियान संचालित कर रही हैं।

बचाव

गुवाहाटी के मालीगांव स्थित माधव नगर में सोमवार को हुए भूस्खलन के बाद एक घर के मलबे को हटाते अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के कर्मी।

सेवा, संस्कार और समर्पण का एक सुंदर प्रयास

चेन्नई/दक्षिण भारत । यहां सोमवार को माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा मद्रास संस्कृत कॉलेज के लगभग 50 विद्यार्थियों को स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया। भोजन पश्चात सभी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर दक्षिणा एवं एक वाटर बोतल भी भेंट की गई। इसी अवसर पर परिसर में स्थित राम रत्नम भारतीयम संस्कृत माध्यम विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई तथा विद्यालय को सहयोग स्वरूप आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।

इस पुण्य कार्य में अध्यक्ष ममता बागड़ी, कमेटी सदस्य रेखा काबरा एवं श्रीकांता मोहता की उपस्थिति थीं। मंडल की सचिव कुसुम मालपानी ने सभी को धन्यवाद दिया।

धर्म की कसौटी धर्म स्थल में नहीं, दैनिक व्यवहार में होती है : कपिल मुनि

चेन्नई/दक्षिण भारत। यहाँ नॉर्थ टाऊन स्थित एएमकेएम जैन स्थानक में विराजित श्री कपिल मुनिजी ने सोमवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जो अपेक्षा दूसरों से करते हैं पहले स्वयं बनें आज का मनुष्य संसार को बदलना चाहता है, लेकिन स्वयं को बदलने के लिए तैयार नहीं है। वह चाहता है कि लोग उसके प्रति विनम्र रहें, उसका सम्मान करें उसके साथ सत्य बोलें, उसके प्रति प्रेम रखें, उसकी भूलों को क्षमा करें किंतु जब वही अपेक्षाएँ उसके अपने आचरण पर लागू होती हैं तब वह मौन हो जाता है। यही जीवन का सबसे बड़ा विरोधाभास है। धर्म का वास्तविक स्वरूप दूसरों को बदलना नहीं बल्कि स्वयं को परिवर्तित करना है। यदि हमारा धर्म केवल वाणी तक सीमित है और व्यवहार में दिखाई नहीं देता तो वह अधूरा है।

मुनिश्री ने कहा कि धर्म की कसौटी धर्म स्थल में नहीं बल्कि हमारे दैनिक व्यवहार में होती है। जो अपेक्षा दूसरों से करते हैं, पहले स्वयं वैसे बनें। यही धर्म का मूल मंत्र है। यदि हमें सम्मान चाहिए, तो पहले सम्मान देना सीखना होगा। यदि हमें प्रेम चाहिए, तो पहले प्रेम बाँटना होगा। यदि हमें सत्य चाहिए, तो पहले स्वयं सत्य का पालन करना होगा। यदि हमें क्षमा चाहिए, तो पहले अपने भीतर क्षमा का भाव जगाना होगा। संसार प्रतिध्वनि की तरह है; हम जो भेजते हैं, वही किसी न किसी रूप में हमारे पास लौटकर आता है।

आज अधिकांश पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं का कारण यह है कि हर व्यक्ति अपने अधिकारों की बात करता है, लेकिन अपने कर्तव्यों को भूल जाता है। पति चाहता है कि पत्नी उसे समझे, पत्नी चाहती है कि पति उसका सम्मान करे, माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे आज्ञाकारी हों, और बच्चे चाहते हैं कि माता-पिता उन्हें स्नेह और विश्वास दें। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी अपेक्षाओं को पहले अपने जीवन में उतार ले तो अधिकांश विवाद स्वतः समाप्त हो जाएँ। जैन धर्म आत्मपरिवर्तन का दर्शन है। वह कहता है कि दूसरों के दोष देखने से पहले अपने दोषों को देखो। संसार को सुधारने से पहले अपने भीतर की क्रोध, मान, माया और लोभ की वृत्तियों को सुधारो। यही वास्तविक तप है, यही साधना है और यही धर्म है। भगवान महावीर का जीवन इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक कोठारी ने बताया कि मंगलवार को श्री कपिलमुनिजी के जन्म दिवस को सामूहिक सामायिक साधना व जप तप की आराधना के साथ मनाया जाएगा। सभा का संचालन मंत्री नीलमचंद बाफना ने किया।

साध्वी आज्ञानिधिश्री का हुआ चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां श्री साँचा सुमतिनाथ भगवान राजेन्द्रसूरी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित सदगुरू समर्पणम चातुर्मास-2026 के अंतर्गत साध्वी आज्ञानिधिश्रीजी का चातुर्मास मंगल प्रवेश सोमवार को श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। शोभायात्रा सोना-चाँदी बाजार, साँचा सुमतिनाथ मंदिर एवं साउथ मासी स्ट्रीट से होती हुई यतीन्द्र भवन पहुँची।

मार्गभर श्रद्धालुओं ने अक्षत, श्रीफल एवं पुष्पवर्षा कर साध्वीवृंदों का स्वागत किया। यतीन्द्र भवन में आयोजित सभा में साध्वीश्री ने धर्म, संयम, तप, त्याग एवं आत्मकल्याण पर प्रेरणादायी प्रवचन देते हुए चातुर्मास के दौरान अधिक से अधिक धर्म आराधना, स्वाध्याय, तपस्या एवं सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया। प्रवेश शोभायात्रा के दौरान महावीर जैन सेवा मंडल, शहर के विभिन्न महिला मंडलों, बालिका मंडलों तथा श्री आदिनाथ जैन मंडल का व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग रहा। संचालन विजयराज गुलेच्छा ने किया। इस मौके पर सुमतिनाथ जैन बड़ा मंदिर ट्रस्ट की ओर से दिनेश सालेचा, सुमेरमल गुलेच्छा, डूंगरचंद गुलेच्छा, हनुमान जैन सहित अनेक वक्ताओं ने अपने भाव व्यक्त किए।

विप्र प्रीमियर लीग में दिखा उत्साह, हुए कुल 6 मैच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय विप्र स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित विप्र प्रीमियर लीग का शुभारंभ रविवार को मेग्रा क्रिकेट ग्राउंड अल्माती में हुआ। क्लब के कैलाश शर्मा ने बताया कि प्रथम दिन कुल छह मैच खेले गए। पहला मैच आदिगौड़ व रॉयल रावल टीम के बीच हुआ जिसमें आदिगौड़ टीम एक विकेट से जीत दर्ज की।

दूसरा मैच रॉयल खेतेश्वर व पारीक टीम के बीच हुआ जिसमें रॉयल खेतेश्वर ने 9 रन से जीत दर्ज की। तीसरा मैच सुपर लीजेंड का सारस्वत टीम के साथ हुवा जिसमे सुपर लीजेंड विजयी हुई।

मैग्रा इ ग्राउंड पर पहला मैच दधिमाती सुपर किंग्स का एसवाईएस क्लब के साथ हुआ जिसमें दधिमटी टीम ने मैच अपने नाम कर लिया। दूसरा मैच पुष्करणा टीम व राजपुरोहित स्पोर्ट्स टीम के बीच हुआ जिसमें राजपुरोहित टीम विजेता बनी। तीसरा मैच खण्डेलवाल क्रिकेट टीम का श्रीमाली एसएससी टीम के साथ हुआ जिसमें खंडेलवाल टीम विजयी हुई।

नड्डा ने प्रदर्शनकारी कॉजपा को मांगों पर विचार करने का दिया आश्वासन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को आंदोलनरत कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) से बातचीत की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने कॉजपा के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार का नेतृत्व उनकी मांगों पर आंतरिक चर्चा करेगा और उन्हें इस बारे में बाद में जानकारी दी जाएगी।

कॉजपा के अनुसार, यह आश्वासन तब मिला जब उसके प्रवक्ताओं आशुतोष रांका और सौरभ दास ने मंत्री नड्डा से उनके आवास पर दो घंटे के भीतर दो बार मुलाकात की। नड्डा ने सरकार के प्रतिनिधि के रूप में उनसे बातचीत की। कॉजपा के प्रतिनिधियों ने उन्हें अपनी मांगों वाला एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी शामिल थी।

सरकार और युवाओं के नेतृत्व वाले कॉजपा के बीच यह पहला सीधा संपर्क उस दिन हुआ, जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को संसद की ओर मार्च करने से रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। नड्डा ने एक बयान में कहा कि उनके द्वारा सरकार के साथ बातचीत का प्रस्ताव दिए जाने के बाद उनके साथ बातचीत पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट से ही जारी थी। नड्डा ने कहा, ''बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई।

वांगचुक अनशन जारी रखेंगे

नई दिल्ली/भाषा। कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सोमवार को घोषणा की कि वे अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के संसद चलो मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के कारण उन्हें यह फैसला लेना पड़ा है। वे तब तक उपवास जारी रखेंगे जब तक युवा नेताओं को सांसदों से मिलने की इजाजत नहीं मिल जाती या उन्हें खुद अस्पताल से ऐसा करने की अनुमति नहीं दी जाती। सफदरजंग अस्पताल से जारी एक हस्तलिखित बयान में वांगचुक ने कहा, शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे युवाओं के साथ जिस तरह की बर्बरता बरती जा रही है।

अग्रवाल विद्यालय के विद्यार्थी ने कराटे प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

चेन्नई/दक्षिण भारत। शहर के वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में कराटे प्रशिक्षण गतिमान है।

अन्ना नगर स्थित बुडोकाई कराटे डो-ट्रेनिंग स्कूल के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित 32वीं दक्षिण जोन कराटे चैंपियनशिप में 11वीं कक्षा की स्नेहा अग्रवाल ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि के लिए विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया, प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी, वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघुदेव एवं शिक्षकगणों की ओर से शुभकामनाएं दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.